शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

काव्यांजलि दैनिक सृजन

601 से 700

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।

आओ हाथ से हाथ मिलाएं, बेसिक शिक्षा का मान बढ़ाएं। 9458278429

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01-10-2020

601

गुरुवार

बापू का संदेश

सत्य-अहिंसा को अपनाओ,
प्रेम और बंधुत्व बढ़ाओ।
बापू जी का ये पैगाम,
रघुपति-राघव राजा-राम।।

बुरा देखना ना कोई शान,
बुरा बोलना जाता मान।
सुनना बुरा गलत है काम,
रघुपति-राघव राजा-राम।।

हर गरीब का बच्चा पढ़ता,
साफ-सफाई की हो दृढ़ता।
मंजिल पाकर हो आराम,
रघुपति-राघव राजा-राम।।

जाति और धर्म को छोड़ो,
मानव से मानव को जोड़ो।
मंथन करके कर लो काम,
रघुपति-राघव राजा-राम।।

रचना सन्तोष कुमार गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० सराय ब्राह्मण
जुनावई, सम्भल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

01/10/2020 **602** गुरुवार

"माँ"

माँ तो आखिर माँ होती है,
माँ से बढ़कर इस दुनिया में,
कोई चीज़ कहाँ होती है।
माँ तो आखिर माँ होती है।।

हालातों के आगे जब,
साथ ना जुबाँ होती है।
पहचान लेती है खामोशी में,
हर दर्द वो सिर्फ़ माँ होती है।।

माँ के रहते जीवन मे,
कोई गम नहीं होता।
दुनिया साथ दे न दे,
पर माँ का प्यार कम नहीं होता।।

माँ के आँचल तले मैं,
भूल गयी सारा जमाना।
तेरी गोदी मुझे लगे,
देवभूमि से सुहाना।।

रचना-
श्रेया द्विवेदी
(स०अ०)
प्रा० वि० देवीगंज
प्रथम,कड़ा कौशाम्बी

आओ हाथ से हाथ मिलायें, बेसिक शिक्षा का मान बढायें। ---- 9458278429

कक्षा- 8
विषय -विज्ञान

शिक्षा में ICT

शिक्षा के क्षेत्र में,
ICT एक क्रांति है।
सूचना और संचार प्रौद्योगिकी को,
अंग्रेजी में कहते ICT हैं।।

शिक्षा के स्तर को सुधारने की,
यह एक रोचक युक्ति है।
छात्रों की कौशल क्षमता में,
करता यह वृद्धि है।।

मोबाईल, लैपटॉप, प्रोजेक्टर,
इसमें इसके सहयोगी है।
इन उपकरणों का उपयोग कर,
बनती डिजिटल सामग्री है।।

कक्षाओं को बनाते स्मार्ट ये,
बच्चों में बढ़ाते रूचि है।
विभिन्न विषयों को समझाने में,
यह अत्यंत उपयोगी है।।

रचना-
फहरीन नजमी
(स०अ०)
पू मा वि हरगढ़
छानबे, मिर्जापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

1/10/2020

604

गुरुवार

अनमोल हमारे बच्चे हैं

अनमोल हमारे बच्चे हैं,
सारे ही मन के सच्चे हैं।
आओ साथ गीत सुनाएँ,
मिशन प्रेरणा में जुड़ जाएँ।।

बालक जब विद्यालय आएँ,
मन ही मन में वह मुस्काराएँ।
अक्षर-ज्ञान सबको करवाएँ,
डाँट-डपट से न चुप कराएँ।।

घर में तुम माहौल बनाओ,
कोई नशा न हाथ लगाओ।।
गुरु जी का साथ निभाओ,
तुम भी अपना फर्ज निभाओ।।

बेटी-बेटा का भेद मिटाओ,
सबको शिक्षा तुम दिलवाओ।
लिंग-भेद करना है पाप,
बेटी के भी हो तुम बाप।।

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बासुरा(प्रथम)
रामपुर मथुरा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

1/10/2020

605

गुरुवार

पेड़ लगाओ

पेड़ लगाओ-पेड़ लगाओ,
साफ स्वच्छ हवा तुम पाओ।
जग में इसकी महक फैलाओ,
पर्यावरण को तुम स्वच्छ बनाओ।।

कभी न जंगलों में आग लगाओ,
प्रदूषण को मत फैलाओ।
पेड़ हमारा जीवन रक्षक,
काटोगे तो बनेगा भक्षक।।

पर्यावरण को बचाना है,
घर-घर अभियान चलाना है।
एक-एक पेड़ सबको लगाना है,
प्रकृति को हरा-भरा बनाना है।।

सब ने मिलकर ठाना है,
सबको पेड़ लगाना है।
पेड़ लगाओ-पेड़ लगाओ,
पर्यावरण को बचाना है।।

रचना-
बीना कठैत (स० अ०)
रा० प्रा० वि० मगरू
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि - दैनिक सृजन

01/10/2020

606

गुरुवार

बेटी है वरदान

बेटी है वरदान खुदा का,
बेटी है खुशियों का नाम।
बेटी है सौगात मैया की,
बेटी है गुणों की खान।।

माँ-बाप जब दुःखी हुए हैं,
बेटी रुप मे जन्म लिया।
मरहम बनकर आई बेटी,
उनके दर्द को दूर किया।।

जब-जब पड़ा अकेला भाई,
बहन रुप में आयी है।
सम्बल बनकर खड़ी हुई है,
बन उसकी परछाई है।।

देख अकेले सूनेपन,
को पत्नी बनकर हाथ दिया।
जीवन-संगिनी बन करके,
सुख-दुःख में है साथ दिया।।

असहाय, अबोध रूप को,
माँ बनकर के साया दिया।
ममता और वात्सल्य लुटाकर,
जीवन अपना अर्पण किया।।

बेटी है अवतार धरा पर,
नवदुर्गा का सार है।
बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ,
जीवन का आधार है।।

रचना- ललिता जोशी
(स० अ०)
रा० उ० प्रा० वि० पुगौर
मूनाकोट, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

भारत माँ के लाल

भारत माँ के लाल हुए थे,
लाल बहादुर शास्त्री।
कार्यकाल उनका अद्बितीय,
बने थे दूसरे प्रधानमंत्री।।

परिवहन मंत्री बने जब,
बनायी ऐसी युक्ति।
प्रथम बार संवाहकों में,
की महिलाओं की नियुक्ति।।

रेल मंत्री बनने पर,
भीड़ को ऐसे काबू लिया।
लाठी प्रहार की जगह पर,
जल बौछारों का प्रयोग किया।।

भारत पाक युद्ध हुआ,
पाकिस्तान को किया पराजित।
मरणोपरांत इस लाल को,
भारत रत्न से किया सम्मानित।।

रचना:
हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

608

दिन- शुक्रवार

लाल बहादुर शास्त्री

दो अक्टूबर, याद हैं करते,
गाँधी जी को सभी।
पर इस दिन ही जन्म हुआ था,
शास्त्री जी का भी।।

"सत्यमेव जयते" का नारा
गाँधीजी ने था दिया।
'जय जवान-जय किसान' नारा,
शास्त्री जी ने दिया।।

'राष्ट्रपिता' हैं प्यारे गाँधी,
देशभक्त थे शास्त्री जी।
पाक से युद्ध जीत लिया था,
बनकर के प्रधानमंत्री जी।।

आओ मिलकर याद करें,
दोनों का जन्मदिवस मनाएँ।
हैं सपूत वो भारत माँ के,
श्रद्धा से हम शीश झुकाएँ।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर
जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02-10-2020

609

दिन- शुक्रवार

'महात्मा गाँधी'

पुतलीबाई जिनकी माता,
पिता करमचंद गाँधी।
कस्तूरबा जिनकी पत्नी थीं,
वह थे महात्मा गाँधी ।।

जन्म हुआ दो अक्टूबर को,
गुजरात के पोरबंदर में।
जीवन का सार छुपा है,
उनके तीन बंदर में।।

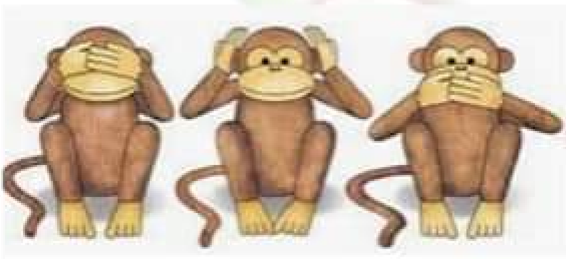

सत्य-अहिंसा के हथियारों से,
आजादी हमें दिलाई।
विश्व पटल पर बापू ने,
भारत की पहचान बनाई।।

कोई उनको कहे महात्मा,
कोई 'राष्ट्रपिता' पुकारे।
बापू भी हम कहे प्यार से,
ऐसे थे गाँधी जी हमारे।।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

नरेन्द्र कुमार वर्मा (प्र०अ०)
प्रा० वि० बझेड़ा
चंडौस, अलीगढ़

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02/10/2020

610

दिन- शुक्रवार

'महात्मा गाँधी

दो अक्टूबर गाँधी जयंती,
विश्व में अहिंसा दिवस कहलायी।
सत्य-अहिंसा, धर्म हमारा,
यही बात सबको सिखलायी।।

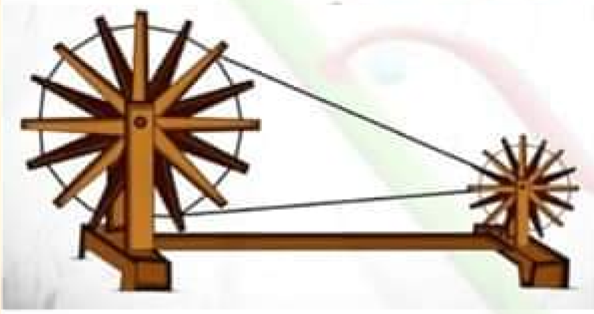

असली नाम मोहनदास गाँधी,
माता पुतलीबाई।
पिता थे उनके करमचंद गाँधी ,
कस्तूरबा जीवन संगिनी पायी।।

स्वच्छ भारत

राष्ट्रपिता उन्हें हैं कहते,
देश हमारा स्वतंत्र कराया,
विदेशी वस्तु का बहिष्कार कर,
भारत का झण्डा लहराया।।

गाँधी जी का यह था कहना,
छुआ-छूत तुम कभी ना करना।
सादा-जीवन, उच्च-विचार,
यही था उनका जीवन आधार।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

कल्पना कुमारी (स०अ०)
क० मॉ० प्रा० स्कूल हाजीपुर फतेह खान
धनीपुर, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02/10/2020

611

दिन- शुक्रवार

लाल बहादुर शास्त्री

भारत देश है बड़ा महान,
जन्मे जहाँ हैं वीर जवान।
लालों में एक लाल हुआ,
भारत-पाक जब युद्ध हुआ।।

तोड़ा था दुनिया का भ्रम,
था ऐसा शास्त्री लाल हुआ।
कद से भी छोटा था लाल,
कर्म बहुत ही था विकराल।।

सत्यप्रेमी और निष्ठावान,
कुदरत करती थी गुणगान।
भावपूर्ण था ह्रदय विराट,
रेल दुर्घटना से हुआ आघात।।

निष्काम योगी मूर्ति महान,
बुलन्द नारा जय-जवान जय-किसान।
पाक कपटरुख जब अपनाया,
शास्त्री जी का लहू तब गरमाया।।

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बासुरा(प्रथम)
रामपुर मथुरा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/ 2020

612

दिन- शुक्रवार

गाँधी बापू बड़े महान

गाँधी बापू बड़े महान,
मोहनदास करम चन्द गाँधी है पूरा नाम।
2 अक्टूबर 1869 जन्मदिवस है,
पोरबन्दर गुजरात है इनका जन्मस्थान।।

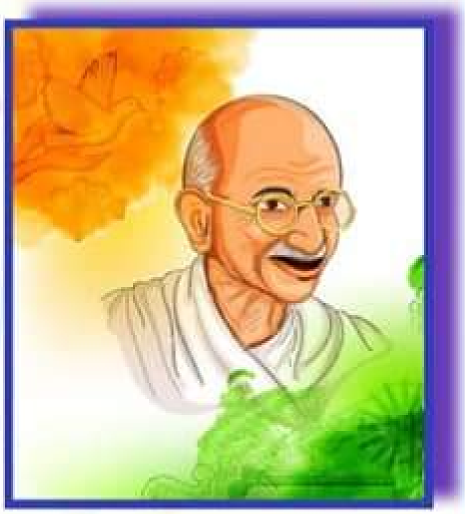

देशप्रेम का जन-जन में भाव जगाया,
अंग्रेजों के अत्याचारों से भारत मुक्त कराया।
अंग्रेजों भारत छोड़ों का नारा देकर,
दुश्मनों के मंसूबो का कर दिया काम तमाम।।

इनके अमर रहें यही सिद्धान्त,
सत्य-अहिंसा,भाईचारा, प्रेम की राह चुनो तुम।
बुरा सुनो ना बुरा ना देखो बुरा करो ना काम,
बापू गाँधी बड़े महान।।

दांडी यात्रा सफल बनाकर तोड़ा नमक कानून,
सत्याग्रह आन्दोलन चलाकर दिया भारत को मान।
हरिजन उत्थान की आवाज़ उठाकर दिया सबको ज्ञान,
छूत-अछूत नहीं है कोई सब हैं एक समान।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि०विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02/10/2020 613 दिन- शुक्रवार

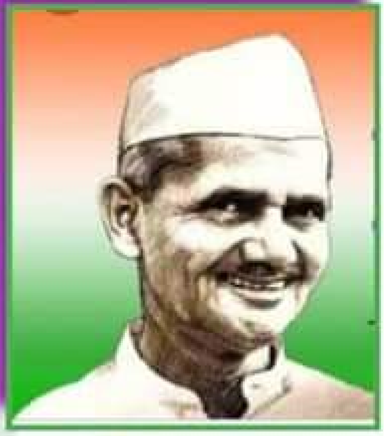

भारत के लाल

जो उन्नीस सौ चार में जन्मे पावन मुगलसराय,
लाल कहाये भारत माँ के शास्त्री उपाधि पाय।
पिता शारदा श्रीवास्तव जी मुंशी रहे कहाते,
माता रामदुलारी जी का स्नेह रहे वे पाते।।

था दुर्भाग्य पिता का साया छिना लाल के सिर से,
मिर्जापुर में नाना के घर सीखा जीना फिर से।
काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि जब पाये,
"श्रीवास्तव" जाति का सूचक नाम से शब्द हटाये।।

पत्नी ललिता का जीवन में जब उनके आगमन हुआ,
छः संतानों से परिवार भी खिलकर उनका चमन हुआ।
रेलमन्त्री के पद का कुछ दिन दायित्व संभाला,
भीषण दुर्घटना से द्रवित हो त्यागपत्र दे डाला।।

सन् उन्नीस सौ चौंसठ में बने प्रधानमन्त्री महान्,
और दिया नारा भारत को जय-जवान जय-किसान।
ताशकन्द समझौते पर सहमति देकर थे मान गए,
और उसी दिन सन् छियासठ में चिरनिद्रा में लीन हुए।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना

शिखा वर्मा (इं०प्र०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा,
बिसवां, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/ 2020

614

दिन- शुक्रवार

गाँधीजी हमारे राष्ट्रपिता

गाँधी जी ने अलख जगायी थी,
दुनिया को नई राह दिखायी थी।
अंग्रेजों को कर दिया मजबूर,
ऐसी शान्ति की यज्ञ जलायी थी ।।

इनका जीवन था सादगी वाला,
पिया था परेशानियों का प्याला।
ऐसी थी शख्शियत महात्मा जी,
किया भारतीयों के लिए उजाला।।

तीन बन्दर देते हैं सीख निराली,
सींचा था भारत को बन माली।
राष्ट्रपिता वो भारत के कहलाए,
सब उनकी बोयी हुई है हरियाली।।

आओ हम सब ये प्रण कर लें,
जीवन में उनके आदर्श भर लें।
बन कर भारत के सच्चे सपूत ,
फिर से भारत की जय कर लें।।

रचना
भुवन प्रकाश (इं०प्र०अ०)
प्रा० वि० पिपरी नवीन
मिश्रिख, सीतापुर।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02/10/2020

615

दिन- शुक्रवार

महात्मा थे गाँधी

है नाम जिनका मोहनदास करमचंद गाँधी,
इरादों के पक्के और हैं सत्यवादी।
दो अक्टूबर अट्ठारह सौ उनहत्तर को जन्में,
आज़ादी का हौसला दिया उनको रब ने।।

पिता करमचंद गाँधी के घर हुआ पालन-पोषण,
नहीं था मंजूर उनको जनता का शोषण।
माता पुतली बाई की वो आँखों के तारे,
आजादी के लिए त्यागा, जीवन के सुख सारे।।

महात्मा गाँधी, बापू, राष्ट्रपिता जिनको कहते,
आंदोलन के लिए हमेशा तत्पर रहते।
बन वकील देश-विदेश में परचम लहराया,
किसानों, मजदूरों, महिलाओं को अधिकार दिलाया।।

उभरे बनकर प्रमुख राजनैतिक, आध्यात्मिक नेता,
सत्याग्रह के माध्यम से प्रतिकार के अग्रणी नेता।
अधिकार और स्वतन्त्रता आंदोलन के प्रणेता,
सुनकर उनके उद्गार को हर बच्चा चेता।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना :-
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 2/10/2020

616

दिन- शुक्रवार

दो अक्टूबर को दो फूल खिले

दो अक्टूबर को दो फूल खिले,
गाँधी जी-शास्त्री जी भारत को मिले।
भारत को मिले ऐसे अमूल्य मोती,
तिमिर छटा जग मे जागी नवज्योति।।

इक शान्ति दूत बनकर आए,
इक मानवता धर्म सिखलाए।
है धन्य भाग्य मेरे भारत के,
दो अमर सपूत जग में आए।।

इक नारा दे जय जवान-जय किसान,
इक बोले रघुपति राघव राजा राम।
सादा जीवन और सादा तन-मन,
इनके व्यक्तित्व की अद्भुत पहचान।।

आओ जन्मदिन दिल से मनाएँ,
प्रज्वलित कर एक दीप जलाए।
भारत माँ की शान में हम सब,
आओ तिरंगा आज फहराएँ।।

रचना
रविन्द्र कुमार "रवि" सिरोही
ए० आर० पी०, बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 2/10/2020

617

दिन- शुक्रवार

एक महात्मा

बिन हथियार, बिना हिंसा के,
देश को आजाद कराया।
सत्य और अहिंसा का परचम,
सारे जग में फहराया।।

मोहनदास करमचन्द गाँधी,
नाम जगत में चमकाया।
गुरु रवींद्रनाथ टैगोर से,
महात्मा का विशेषण पाया।।

अन्याय, अत्याचार के विरुद्ध,
सत्याग्रह को अपनाया।
सविनय अवज्ञा से अंग्रेजी,
वस्त्रों को था जलाया।।

अपने हाथों चरखा चलाकर,
सूत उन्होंने खुद बनाया।
नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो,
आन्दोलनों को था चलाया।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (ए०आर०पी०)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

618

दिन- शुक्रवार

माँ भारती के लाल

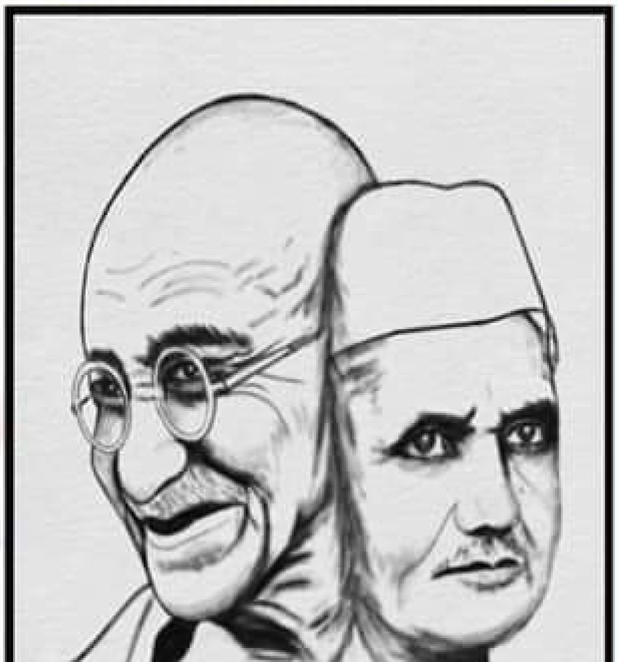

आज हुई अक्टूबर दो,
सब मिल उनको याद करो।
भारत माँ के प्यारे दो,
सपूत देश के न्यारे दो।।

एक हैं अहिंसा के पुजारी,
मोहनदास करमचंद गाँधी।
तो दूसरे हैं साहसी सदाचारी,
प्यारे लाल बहादुर शास्त्री।।

बापू ने सत्याग्रह की राह चुनी,
अहिंसा का मार्ग दिखलाया।
निर्भय हो नमक कानून तोड़ा,
सत्य का मार्ग अपनाया।।

शास्त्री जी ने देश का आत्मसम्मान बचाया,
अनाज की कमी हुई तो उपवास उठाया।
सभी से एक दिन अन्न त्याग को कहा,
जय जवान जय किसान का नारा लगाया।।

रचना-
शिखा मिश्रा (स०अ०)
उ०प्रा०वि० नयाखेड़ा
सि०सरोसी,
उन्नाव

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-10-2020

619

दिन- शुक्रवार

गांधी जी की कहानी, मेरी जुवानी

पिता करमचंद गांधी जी, माता पुतलीबाई,
राजकोट आकरके कस्तूरबा से की सगाई।
63 वर्ष की आयु में पिता का हुआ निधन,
तब महात्मा जी का आरम्भ हुआ मिशन।।

1922 में चौरी- चौरा की हिंसक हुई घटना,
फिर गांधी जी का जन आंदोलन से हुआ हटना।
1924 में बेलग्राम कांग्रेस अधिवेशन में चुने गए अध्यक्ष,
1925 में एक वर्ष के लिए राजनीतिक मौन का रखा पक्ष।।

1929 में पूर्ण स्वराज्य का सत्याग्रह किया आरम्भ,
1930 में फिर दांडी यात्रा का हुआ शुभारम्भ।
1931 में गांधी-इरविन समझौता हुआ,
1933 में साप्ताहिक पत्र 'हरिजन' आरम्भ किया।।

1934 में अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संघ की स्थापना,
1936 में वर्धा के एक निकट सेवाग्राम आश्रम बना।
1947 में गांधी जी ने किए बड़े-बड़े काम,
1948 में महात्मा जी चल बसे स्वर्गधाम।।

रचना
नरेंद्र सिंह कुशवाहा (प्र०अ०)
प्रा० वि० ज्ञानपुर प्रताप सिंह
अजीतमल, औरैया

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-10-2020

620

दिन- शुक्रवार

दो सितारे

अक्टूबर की तारीख दो,
आये दुश्मन के दो काल।
एक महात्मा गाँधी थे,
दूजे बहादुर लाल।।

कर्मठ थे दोनों बहुत,
भरी सादगी अपार।
देशभक्ति थी खून में,
मंथन करो विचार।।

सत्य अहिंसा से किये,
गौरों पर अनेक प्रहार।
लाहौर जीता लाल ने,
मचा,पाक में हाहाकार।।

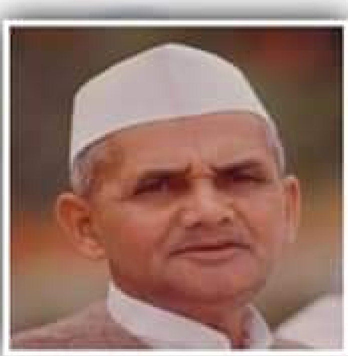

शांति का उपदेश दे,
बापू हुए महान।
उदघोष रहेगा गूंजता,
जय-जवान जय-किसान।।

रचना
सन्तोष कुमार गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० सराय ब्राह्मण
जुनावई, सम्भल

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020 **621** दिन- शुक्रवार

"प्यारे बापू"

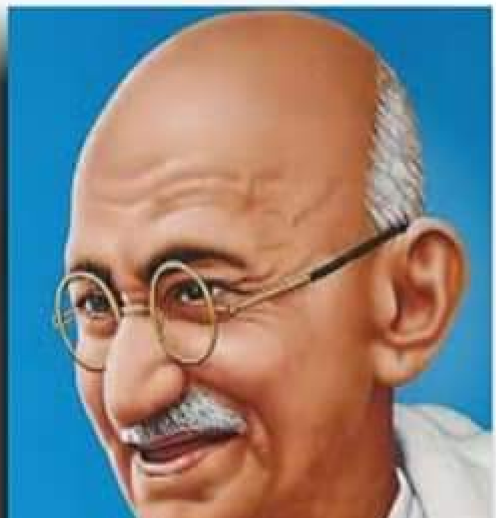

आओ सारे बच्चों आओ,
गांधी जयन्ती आज मनाओ।
याद करें हम बापू जी को,
नमन करें हम बापू जी को।।

अहिंसा का शस्त्र उठाएँ,
बुराइयों से खुद को बचाएँ।
शिक्षाएँ उनकी अपनायें,
अपने जीवन को सफल बनाएँ।।

आजादी का बिगुल बजाया,
भारत माँ को आजाद कराया।
खून पसीना अपना बहाया,
अपना राष्ट्रधर्म निभाया।।

ना भूलेंगे हम एहसान तुम्हारा,
हम पर रहेगा कर्ज तुम्हारा।
हम सबका यही है नारा,
अमर रहेगा नाम तुम्हारा।।

रचना-
अंकित श्रीवास्तव
(स०अ०)
सं० वि० खरौना
सरसँवा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-10-2020

622

दिन- शुक्रवार

पूज्य शास्त्री जी

तर्ज- तुमसे बना मेरा जीवन..

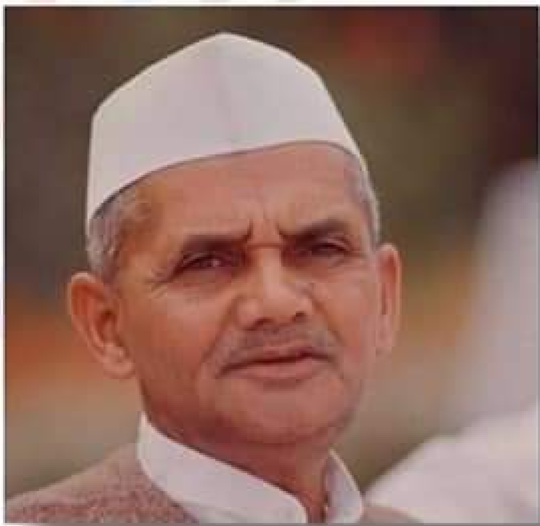

तुमने दिया मेरे भारत को,
क्रांति हरित का नारा।
तुम सम न हुआ न होगा,
फिर से अब कोई दोबारा।।

अक्टूबर दो को जन्म लिया,
रोशन सबका है नाम किया।
और भला हम क्या बतलायें,
बचपन मुश्किल से तुमने जिया।।
वर्ष एक में निधन पिता का,
नाना तब बने सहारा।
तुम सम न..

सबके संग में मिलकर के,
आंदोलन में प्रतिभाग लिया।
बनकर के फिर रेलमंत्री,
रेलों का उद्धार किया।।
विश्व में शास्त्री जी ने बढाया,
हर पल सम्मान हमारा।
तुम सम न..

रचना

रश्मि (प्र.अ.)
प्रा.वि. गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-2/10/2020

623

दिन- शुक्रवार

हमारे बापू जी

भारत माँ की शान, देखो! बापू जी,
था व्यक्तित्व महान, निराले बापू जी।
त्याग विदेशी, स्वदेशी अपनाया,
हथकरघा से सूत, कातना सिखाया।
ले उद्देश्य महान, ऐसे बापू जी।।

पुतलीबाई माता, थीं उनकी,
2 अक्टूबर 1869 जन्मे, कोख से जिनकी।
करमचन्द-उत्तमचन्द, पिता थे उनके,
आचार-विचार महान, ऐसे बापू जी।।

सत्याग्रह को मुख्य, अस्त्र बनाया,
सत्य-अहिंसा, पर चलना सिखाया।
बिना पद जीते, अंग्रेजों को भगाया,
छोड़ गये हिन्दुस्तान, ऐसे बापू जी।।

इंग्लैंड जाकर, के शिक्षा पायी,
कानून की कर, लीन्हीं पढ़ाई।
अफ्रीका में रंग-भेद खिलाफ, आवाज उठायी,
कर दी जंग एलान, ऐसे बापू जी।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
पू० मा० विद्यालय- तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

624

दिन- शुक्रवार

गाँधी जयंती

दो-अक्टूबर अठारह सौ उनहत्तर
गाँधी जन्मे गुजरात के पोरबन्दर।
सत्य-अहिंसा के थे वो पुजारी,
माता थी उनकी पुतलीबाई।।

वकालत पढ़ने गए वो इंग्लैंड,
पिता थे उनके करमचन्द।
भारत को आजाद कराया,
स्वदेशी और नमक-आन्दोलन चलाया।।

सत्याग्रह के थे वे अनुयायी,
कहते सबसे सभी-धर्म एक है भाई।
"राष्ट्पिता" की उपाधि पायी,
राष्ट्रीय-मुद्रा में जगह बनाई।।

नित्य भजन हम उनके गाते,
जनमानस में चेतना फैलाते।
रघुपति-राघव-राजाराम,
पतितपावन-सीताराम सुनाते।।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

रचना- सीतु सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० नगला पुरविया, राल
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02-10-2020

625

दिन- शुक्रवार

लाल बहादुर शास्त्री जी

"जय जवान जय किसान" का नारा,
देकर जिसने है पूरा देश संवारा।
"मरो नहीं,मारो" का नारा ,
से देश में लाया क्रान्ति का फुहारा।।

सादगी की मिशाल थे वो,
मन में देशभक्ति भी बेमिशाल थी।
सद्‌गुणों के खान थे वो,
रखते सभी का मान थे वो।।

दो अक्टूबर उन्नीस सौ चार को,
वाराणसी के मुगलसराय में अवतार लिए।
मुगलसराय शास्त्री जी का जन्म स्थान,
अब चंदौली का पंडित दीनदयाल उपाध्याय नगर महान।।

भारत के लाल थे वो,
करते देश भर में कमाल वो।
बन गये देश के रेलमंत्री वो,
दूजे बन गये भारत के प्रधानमंत्री वो।।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 2/10/2020

626

दिन- शुक्रवार

जय जवान-जय किसान

जय-जवान, जय-किसान का,
देकर हमको नारा।
स्वाभिमानी भारत का,
जिसने स्वप्न निहारा।।

भारत माता के उस सपूत को,
मिलकर शीश झुकायें।
जन्मदिवस पर आओ मिलकर,
हम उनके गुण गायें।।

लालबहादुर नाम को जिसने,
सच करके दिखलाया।
सन पैंसठ के समरांगण में,
धूर्त पाक को मजा चखाया।।

कद छोटा था लेकिन उनकी,
हिम्मत बहुत बड़ी थी।
सादा-जीवन उच्च-विचारों की,
नई मिसाल गढ़ी थी।।

रचना- बृजराज सारस्वत (स०अ०)
पू० मा० वि० गोपालगढ़
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02-10-2020

627

दिन- शुक्रवार

लाल बहादुर शास्त्री जयंती

भारत माँ के लाल बहादुर,
करते नमन हम तुमको बहादुर।
गरीबी भी जिसको डिगा ना पायी,
हम सबके लिए है मिशाल बहादुर।।

कद था छोटा लाल का लेकिन,
सिंह के जैसा था वो बहादुर।
भारत माँ की आजादी को,
बेताब बहुत था लाल बहादुर।।

दृढ़ अनुशासन था तुमको प्यारा,
देश प्रेम की बहती हृदय में धारा।
जय जवान और जय किसान का,
तुमने लगाया देश में नारा।।

मेहनत और लगन से अपनी,
चमके गगन में बन के सितारा।
जन जन के हृदय में बसता है,
भारत माँ का राजदुलारा।।

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 2/10/2020

628

दिन- शुक्रवार

"हमारे राष्ट्रपिता"

बापू जी हमारे, देश के न्यारे,
भीग गयीं आँखें, जब नाथूराम ने मारे।
सत्य अहिंसा, जिनके थे नारे,
हारी थी शत्रु सेना, दिमाग से तुम्हारे।।

2 अक्टूबर 1869, बापू थे जन्मे,
जात-पाँति भुलाकर, जीना सिखाते थे।
लोगों के मन से, अँधेरा मिटाते थे,
रघुपति राघव, राजाराम गाते थे।।

सविनय, भारत छोड़ो, आंदोलन तुम्हारे,
फिरंगियों का किया, सफाया देश से हमारे।
देश के प्रति बापू, समर्पण तुम्हारा,
याद रहेगा जग में, सदा नाम तुम्हारा।।

सादा जीवन, उच्च विचार बापू तुम्हारे,
भारत का गौरव बापू, राष्ट्रपिता हमारे।
भूले नहीं हैं बापू , बलिदान तुम्हारे,
अर्पण करें नमन हम, चरणों में तुम्हारे।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- सुनीता यादव (स०अ०)
कंपोज़िट विद्यालय भिठिया चिचड़ी
गिलौला, श्रावस्ती

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 02/10/2020

629

दिन- शुक्रवार

बापू

अहिंसा की अटल पहचान बापू,
है भारत की अमिट सी शान बापू।
पड़ी तन पर तो धोती सूत की है,
बने सब का तभी अरमान बापू।।

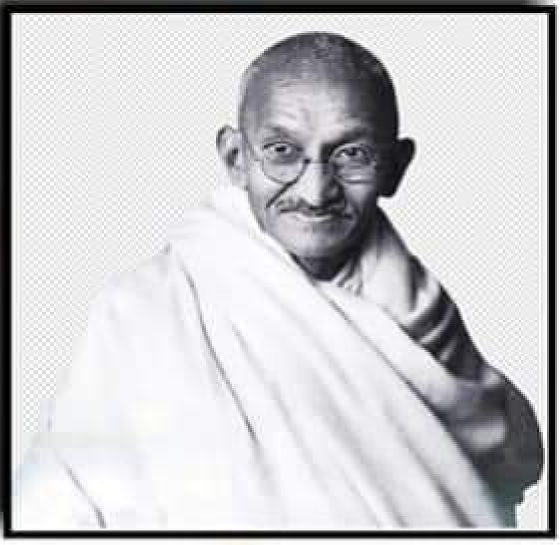

सदा ही सच के पथ पर रहे वह,
बने बस सत्य का वरदान बापू।
चुने कंटक सभी की राह से वो,
बनाए राह को आसान बापू।।

न जीवन मोह से बाधित रहे वह,
सरल स्वभाव के इंसान बापू।
फिरंगी डर से घबराए हुए थे,
थे आज़ादी का वो फरमान बापू।।

कभी तो बस सरल लगते थे हमको,
कभी लगते गुणों की खान बापू।
हुए राष्ट्र पुरुष तो शास्त्री जी ही,
बने राष्ट्र पिता का मान बापू।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना -
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

630

दिन- शुक्रवार

महात्मा गाँधी स्मृति

2 अक्टूबर 1869 को, गुजरात में जन्म लिए थे,
जीवन के हर संकट में, सत्य मार्ग पर डटे रहे थे।
सादा जीवन उच्च विचार,प्यारा था अहिंसा का मार्ग,
सबको दिया प्यार-सम्मान, सत्य राह और सन्मार्ग।।

बुरा ना बोलो, बुरा न सोचो, न किसी से बैर रखो,
मानवता के गुण सिखलाते, सदा सभी से प्रेम रखो।
न हिंसा, न लड़ाई, न तलवार, बंदूक चलायी,
सत्य-अहिंसा से ही केवल, गौरों की सेना दौड़ायी।।

बच्चों के थे प्यारे बापू, दुनिया के वह न्यारे बापू,
सच्चाई और ईमानदारी से, सबके दिल पे छाए बापू।
आन हैं बापू, जान हैं बापू , देश का गौरव, और शान हैं बापू,
राष्ट्र उत्सव पर तुम्हें नमन, और कोटि सम्मान है बापू।।

रचना
नीतू कुमारी (स०अ०)
प्रा० वि० सादातपुर नाचनी
इस्लामनगर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान | मिशन शिक्षण संवाद | शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

631

दिन- शुक्रवार

2 अक्टूबर के दो लाल

गाँधी जी का जन्म हुआ था,
शुभ 2 अक्टूबर आयी है।
पूरे भारतवर्ष मे देखो,
पर्व सी खुशियाँ छायी हैं।।

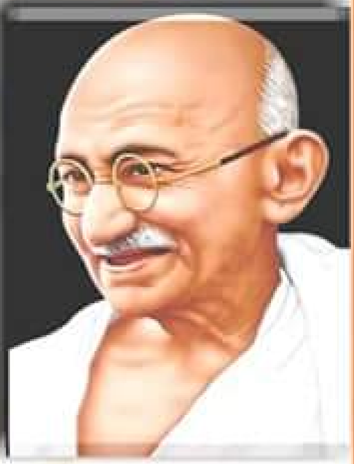

लाल बहादुर भी इस दिन,
खुशियाँ लेकर आए थे।
सादा जीवन उच्च विचार,
आदर्श वचन बतलाये थे।।

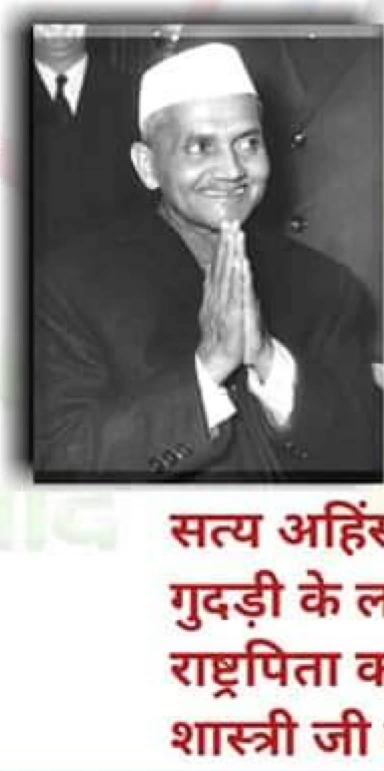

दोनों ही का आजादी में,
महत्वपूर्ण योगदान रहा।
खादी और स्वदेशी का भी,
देश मे सम्मान बढ़ा।।

सत्य अहिंसा के प्रेमी बापू,
गुदड़ी के लाल शास्त्री थे।
राष्ट्रपिता कहलाए बापू,
शास्त्री जी दूजे प्रधानमंत्री थे।।

रचना-
साहू सावेंद्र गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सुजानपुर,
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02/10/2020

632

दिन- शुक्रवार

शास्त्री जी का जन्मदिवस

आजादी की खातिर जिसने,
इस धरती पर खुद जन्म लिया।
उत्तर प्रदेश के मुगलसराय में,
2 अक्टूबर को जन्म लिया।।

सरल स्वभाव और निज बोली से,
जन मानस इतना प्रसन्न हुआ।
उपनाम था जिनका श्रीवास्तव,
शास्त्री जी उनका नाम हुआ।।

श्वेत आंदोलन से हरित क्रांति,
निज मानस मन की शांति।
जय जवान, जय किसान,
इस नारे से की हरित क्रांति।।

दलित समाज को जिसने,
सम्पूर्ण मान दिलवाया।
ऐसे राष्ट्रपुरुष शास्त्री जी ने,
भारत का नित मान बढ़ाया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02-10-2020

633

दिन- शुक्रवार

हर बच्चा गाँधी बन जाए

धरती माता करें पुकार,
आँचल फिर दमक जाए।
हर बच्चा गाँधी बन जाए,
हर बच्चा गाँधी बन जाए।।

झूठ और लड़ाई है,
दुश्मन भाई-भाई है।
सत्य औरअहिंसा सुमन खिल जाए,
हर बच्चा गाँधी बन जाए।।

बाहर से सब चमके है,
अंदर सब कुछ कचरा है।
तन-मन भागीरथी रूप संवर जाए,
हर बच्चा गाँधी बन जाए।।

तकनीकी हमारी जरूरत है,
विज्ञान प्रगति का सूचक है।
मानव मूल्य जन-मन बस जाए,
हर बच्चा गाँधी बन जाए।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना
रमा रानी (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय शोभापुर
मुरादनगर, गाज़ियाबाद।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02-10-2020

634

दिन- शुक्रवार

कहते उनको बापू

गाँधी जी का पूरा नाम था,
मोहनदास करमचंद गाँधी।
चलायी उन्होंने परतंत्र भारत में,
सत्यऔर अहिंसा की आँधी।।

लोग उन्हें प्यार से कहते थे बापू,
भारत के राष्ट्रपिता भी कहलाते थे।
वर्तमान भारत के गुजरात राज्य के,
पोरबंदर में 2 अक्टूबर 1869 को जन्मे थे।।

बापू के पिता दीवान करमचंद,
थीं माता पुतलीबाई।
बापू ने परतंत्र भारत को,
स्वाधीन कराने की कसम थी खायी।।

बापू ने इंग्लैंड जाकर की,
वकालत की पढ़ाई।
ज़ालिम गोरों को उन्होंने,
कई बार धूल चलायी।।

रचना
मुअज्जम खान (स०अ०)
प्रा० वि० पीपल खेडिया
सकीट, एटा

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

635

दिन- शुक्रवार

बापू जी हमारे

राष्ट्र के 'पिता' कहो,
या 'सत्याग्रह' का देवता।
अहिंसा का बिगुल बजाकर,
सारे फिरंगी दिए नचा।।

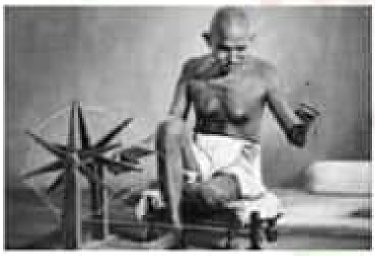

महानताओं की मिसाल वह,
भारत माँ का नौनिहाल वह।
सीधा, सरल, सन्त जैसा वेष,
सत्य की अलख बिना राग-द्वेष।।

असाधारण थी, वह दिव्य ज्योति,
आन्दोलनों के बाढ़ ढोती।
विद्वेष हीन प्रतिरोध बोती,
सशक्त मौन हथियार सँजोता।।

असहयोग, अवज्ञा, दांडी यात्रा,
'भारत छोड़ो' का वह प्रणेता।
राजनैतिक, आध्यात्मिक नेता,
कोटि नमन संसार करता।।

रचना-
माया गुरुरानी (स०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० धौलाखेड़ा
हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 2/10/2020

636

दिन- शुक्रवार

महात्मा गाँधी महान

दो अक्टूबर बहुत खास है,
इसमें छिपा इतिहास है।
इस दिन गाँधी जी जन्मे थे,
मिले जग को ज्ञान पुञ्ज थे।।

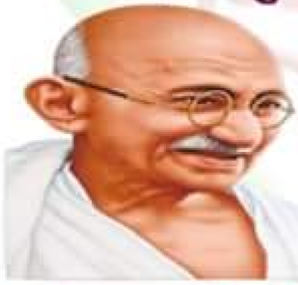

सत्य की राहों पर चल करके,
ज्ञान का दीपक जलाया था।
सत्य-अहिंसा अपना करके,
देश को आजाद कराया था।।

जाति-पाँत का भेद मिटाकर,
हर-एक को गले लगाया था।
प्रेम-भाव से सभी रहेंगे,
यह संदेश फैलाया था।।

नहीं भुला सकते इस दिन को,
ये दिन तो बड़ा महान है।
इसमें छिपा भारत का गौरव,
इसमें तिरंगे की भी शान है।।

रचना-
देवेश्वरी सेमवाल (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० कान्दी
अगस्त्यमुनि, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-02-10-2020

637

दिन- शुक्रवार

गाँधी बाबा

लिये लुकाठी हाथ में,
छोटी धोती पाँव में।
गाँधी बाबा आते हैं,
जल्दी कदम बढ़ाते हैं।।

मेरे बाबा गाँधी बाबा,
राष्ट्र पिता कहलाते बाबा।
चरखा थामे हाथों में,
चश्मा पहने आँखों में।।

वो बच्चों के बापू थे,
सबको गले लगाते थे।
ब्रह्म मुहूर्त में उठते थे,
नित्य आश्रम जाते थे।।

कर्म ही उनका पूजन था,
पूर्ण स्वराज्य का स्वप्न था।
सच्ची राह पर चलते बाबा,
मीठा गाना गाते बाबा।।

रचना- दीपिका चौसाली (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० विरकाणा
कनालीछीना, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 02/10/20 | 638 | दिन- शुक्रवार

तिरंगे को प्रणाम

बन्धुत्व, सदाचारी, हे! आजादी के दाता,
शहीदों को नमन, तुम्हें सलाम।
हम हैं एक, एकता हमारी शान,
मिलकर करते तिरंगे को प्रणाम।।

शान्ति, खुशहाली देता हरा रंग।
अपनी रक्षा में देश रहा आगे,
न हारी हमने आज तक कोई जंग।।

बीच का चक्र यादों में है न्यारा।
हर पल चौकस रहना यारो,
यह है तिरंगा सबका प्यारा।।

श्वेत क्रान्ति की याद है इसमें।
अनगिनत कुर्बानियों की,
विसात हैं जिसमें।।

लालबहादुर गाँधी महात्मा।
संघर्ष में देश के लिए,
दान कर दी अपनी आत्मा

रचना-
कमल चन्द्र भट्ट (प्र०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० मलुवाताल
भीमताल, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 02/10/2020

639

दिन- शुक्रवार

शान्ति दूत

लाल बहादुर तेरे जज्बे को सलाम,
तू ही सच्चा है भारत का अभिमान।
अमन के लिए कर दी जान भी कुर्बान,
अहिंसा का पुजारी था देशभक्त महान।।

सर से पाँव तक सादगी का आईना था,
तू ही हमारे समाज का एक कर्णधार था।
तुमने ही इस कोम को एकता सिखायी,
सर ऊँचा हुआ भारत का एक दिशा दिखायी ।।

हिम्मत तुम्हारी लोहे की दीवार की मानिंद है,
हो गई कुल शम्मा हमें देखकर यह रोशनी है।।
जबतक जिएँगे शास्त्री तुम्हारी राह पर चलेंगे,
तुम्हारी राह चलकर हम भारत को संपन्न बनाएँगे।।

रचना-
तस्लीम रजा खान (स०अ०)
रा० आ० उ० प्रा० वि० गुन्जी
धारचूला, पिथौरागढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-03/10/2020

640

दिन- शनिवार

राष्ट्रीय पुष्प "कमल"

पुष्प कमल,
हो दलदल।
अत्यंत मृदुल,
कली कोमल।।

राष्ट्र पुष्प,
रक्त कमल।
बृह्म वंदना,
दिव्य कमल।।

श्वेत कमल,
रक्त कमल।
मानसरोवर,
स्फुटित कमल।।

देवासन,
दिव्य कमल।
विनायक हाथ,
दिव्य कमल।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 3/10/2020

641

दिन- शनिवार

आसमान छू लेने दो

मुझे भी आसमान छू लेने दो।

मेरे हौंसलों को, उड़ान भर लेने दो,
मुझे, मेरे सपनों को, साकार कर लेने दो।
बापू! मत रोको मुझे, शिक्षित नारी बनने दो,
मुझे भी आसमान छू लेने दो।।

नहीं बनूंगी बोझ किसी पर,
इस अभिलाषा को पूरी होने दो।
खत्म करो बेटी-बेटा का अन्तर,
मुझको भी सबका सहारा बनने दो।।
बापू ! मत रोको मुझे,
गहना शिक्षा का पहन लेने दो।
मुझे आसमान छू लेने दो।।

बन सकूँ आत्मनिर्भर,
मुझको भी वह अवसर दो।
बनकर शिक्षिका और डाक्टर,
समाज की सेवा का अवसर दो।।
बापू ! मत रोको मुझे,
गार्गी, अपाला, कल्पना चावला बनने दो।
मुझे आसमान छू लेने दे दो।।

रचना-
प्रतिमा उमराव (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय अमौली
अमौली, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 03/10/2020

642

दिन- शनिवार

"महात्मा गाँधी"

सत्य-अहिंसा की तुम मूरत,
देश की बदली तुमने सूरत।
सबको गले लगाकर बापू,
वतन को बनाया खूबसूरत।।

बच्चों को तुम सबसे प्यारे,
कभी किसी से हार न हारे।
देश के हर दुश्मन को बापू,
प्यार से जीते प्यार से मारे।।

दांडी यात्रा की बापू ने,
और किये सत्य-आंदोलन।
शुरु लड़ाई की थी तन्हा,
जोड़ लिए फिर जन ही जन।।

तुम हो आन देश की बापू,
तुम ही हो जन-गण और मन।
तुम ही मान देश के बापू,
जिस पर न्योछावर ये तन- मन।।

रचना-
रघुनाथ द्विवेदी
(स०अ०)
प्रा० वि० चायल
कौशाम्बी

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 03-10-2020

643

दिन- शनिवार

सावन

(मधु/दोधक/नील सवैया)

ताप मही पिघलाय रहा था,
प्यासन जी अकुलाय रहा था।
सूख गयी धरणी की काया,
जीवन पे अब संकट छाया।।

सावन ने मन को हुलसाया,
मेघ महा जल को बरसाया।
भीग रही धरती सुकुमारी,
नाच रहे खुश हो नर-नारी।।

झील, नदी, सब ताल भरे हैं,
वृक्ष-धरा सब बाग, हरे हैं।
चातक प्यास बुझाकर जाना,
नाच रहे खग होय दीवाना।।

देव महेन्द्र, सहायक दाता,
हे! वज्र पाणि दया कर दाता।
आज सुनी तुम हे! सुर राजा,
पूर्ण करो मम आप सुकाजा।।

रचना
गुंजन शुक्ला (प्र०अ०)
प्रा० वि० गणेश पार्क
नगर क्षेत्र, औरैया

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-3/10/2020

644

दिन- शनिवार

दहेज

एक नन्ही सी परी ने जन्म लिया,
खुशियाँ घर में आयी है।
सारे सपने पूरे हो उसके,
माता पिता ने कसम खायी है।।

दहेज एक बुराई है, यह सभी जानते हैं,
ना जाने कितने धरने व नारे लगाते हैं।
लेकिन जब बारी अपनी आती है,
तो सभी दहेज-दहेज चिल्लाते हैं।।

दहेज की भूख में तुम, अंधे हो जाते हो,
एक सुंदर लड़की को चरित्रहीन बताते हो।
हे! विधाता तेरा यह कैसा न्याय है,
माँग पूरी ना हो उनकी तो आग में जलाते हो।।

बंद करो! अभिशाप यह है,
सबने मन में ठाना है।
दहेज के इन लोभियों को,
मिलकर सबक सिखाना है।।

रचना-
करण सिंह (स० अ०)
रा० प्रा० वि० सौड़ भिलंग
भिलंगना, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 3-10-2020

645

दिन- शनिवार

गीताज्ञान

जीवन एक महाभारत है,
सत्यप्रवृति-दुष्प्रवृति का।
यह संग्राम चला करता है,
अनासक्ति-आसक्ति का।।

प्राण फूँकता निष्प्राणों में,
गीता ऐसा ज्ञान है।
धर्मयुद्ध और कर्मयुद्ध का,
लड़ने का मैदान है।।

सर्वनाश के गर्त में गिरता,
अंधकार-अज्ञान है।
सद्कर्म करना ही,
गीता का निर्देशित ज्ञान है।।

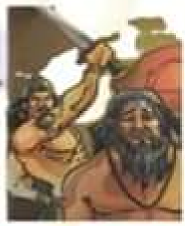

मनुज मात्र को मुक्ति दिलाता,
ऐसा सुलभ विज्ञान है।
हो अनीति अपनी या परायी,
भिड़ना धर्म-महान है।

रचना- पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० उ० प्रा० वि० आमबाग
टनकपुर, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/10/20

646

दिन- सोमवार

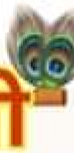

राष्ट्रीय-पक्षी

मोर हमारा राष्ट्रीय पक्षी,
पंख है इसके रंग-बिरंगे।
अलबेला है सिर पर ताज,
करे सब पक्षियों पर राज।।

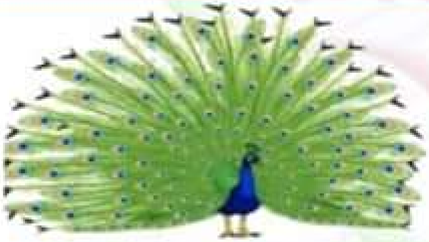

बादल उमड़-घुमड़ जब आएँ,
तब-तब ये नृत्य दिखलाएँ।
नृत्य है इसका मतवाला,
सबके मन को हरने वाला।।

बच्चों के मन भाता है,
जब-जब नाच दिखाता है।
सुंदर पंख फैलाता है,
बादल को यह बुलाता है।।

कान्हा के मन को ये भाया,
सिर पर धारण पंख कराया।
सुंदर इसकी छवि है प्यारी,
राष्ट्रीय-पक्षी यह कहलाया।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- तुलसी राव
पूर्णकालिक शिक्षिका (विज्ञान)
के०जी०बी०वी०- गंगीरी
जनपद-अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05-10-2020

647

दिन- सोमवार

राष्ट्रीय पुष्प कमल

कीचड़ में खिलकर भी उसने,
राष्ट्रीय मुकाम बनाया है।
बच्चो कमल ने हम सब को,
बहुत कुछ समझाया है।।

तोड़ने जब कोई जाता,
दलदल पार कराता है।
अपनी रक्षा और सुरक्षा,
करता और कराता है।।

कमल पुष्प पर ब्रम्हा पधारें
जो जग के निर्माता हैं।
माँ शारदे जिस आसन पे हैं विराजे,
कमल पुष्प कहलाता है।।

अपने धैर्य और क्षमता को,
कमल हमें बतलाता है।
अपने गुणों की ही खातिर,
राष्ट्रीय पुष्प कहलाता है।।

रचना

नीलम सिंह (स0अ0)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय रतनगढ़ी
हाथरस, हाथरस

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनाँक- 05/10/2020
648
दिन- सोमवार

सूरज-चाँद

सूरज चाँद जगत से न्यारे हैं,
सब बच्चों के राज दुलारे हैं।
वर्षा में चमकती बिजली,
मेघ, नदियाँ, बढ़ती हरियाली।।

रात-दिन सक्रिय होते सारे,
जब भास्कर अस्त हो जाते।
तब प्रकाश अंधकार त्रस्त हो,
जल-मग्न नगर, गाँव, हो।।

प्रकाश से दीप्त मय हो जाते,
झीलों, नदी, नालों में जल फैलाते।
ग्रीष्म शरद बसंत में वर्षा देते,
खुशहाली चारों ओर भर देते।।

बसंत बहार जो संसार को देते,
अद्भुत जगत में सूरज रोशनी देते।
सब अम्बर के अंत:करण जाते,
सूरज-चाँद हम सबको मन भाते।।

रचना
यतेंद्र कुमार सिंह (स०अ०)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय रूकुमपुर,
समरेर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-05/10/2020

649

दिन- सोमवार

बेटी हैं हम

तर्ज- बहुत आयी गयी यादें मगर इस बार तुम्ही आना..

बेटी है हम हमसे दम,
जहाँ को बता कर रहें।
घर की है शान मम्मी-पापा का मान,
हम सदा ही बढ़ाती रहें।।

बहुत आयी-गयी मुश्किलें,
न इससे हमें है घबराना।
इरादे आगे बढ़ने का,
हो मजबूत हमने ठाना।।

नई दहलीज से होकर,
हरदम ये गुजरती है।
यहाँ बेटी आकाश में,
जहाजों से भी उड़ती है।।

नए युग को बनाएँ,
ये अवसर भी भुनाएँ।
बेटों से भी ज्यादा वफादार,
होतीं सबको बताएँ।।

बोझ नहीं शक्ति हैं हम,
हमें बापू तुम पढ़ाना।
नहीं रुकेगा कदम हमें,
हर-पल आगे बढ़ते जाना।।

रचना
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/10/2020 **650** दिन- सोमवार

महात्मा गाँधी

2 अक्टूबर, 1969 भारत भूमि पर जन्म लिया,
मोहनदास करमचंद गाँधी ने भारत को धन्य किया।
सादा-जीवन उच्च-विचार जीवन का मूल मन्त्र दिया,
सत्य-अहिंसा अपनाकर जिसने अपना जीवन था जिया।।

गाँधी ने बनकर फिर आँधी अंग्रेजी सत्ता का विरोध किया,
भारत के उस वीर सपूत ने आजादी का मन्त्र दिया।
खेड़ा, चंपारण व असहयोग-आन्दोलन का नेतृत्व किया,
बिगुल फूँक सत्याग्रह, स्वदेशी का भारत छोड़ने को मजबूर किया।।

करो या मरो का नारा देकर,
कर्मठता को मान दिया।
असहाय और निर्बल जन को भी,
हरिजन का था नाम दिया।।

आज़ादी देकर भारत को,
नये युग का सूत्रपात किया।
स्वच्छ-भारत, सुन्दर-भारत का,
सपना तब साकार किया।।

रचना
सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय- बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-5/10/2020

651

दिन- सोमवार

नन्हें बच्चे

हों प्रसून के जैसे गुच्छे,
लगते ऐसे नन्हे-बच्चे।
घर के आँगन की ये शोभा,
इनकी मुस्कान बिखेरे आभा।।

रुठ अगर जो जावे बच्चा,
कहाँ किसी को लागे अच्छा।
मात-पिता के अनुकृति बच्चे,
उनके मन की द्युति ये बच्चे।।

इनके कारण खुशियाँ घर में,
रौनक रहती डगर-डगर में।
दादा-दादी के हैं गुलदस्ते,
उनकी गोदी में, जब ये सजते।।

अपना हो या रहे पराया,
सबके मन को ये बचपन भाया।
जिस घर में शिशु की किलकारी,
उसमें थिरकें कृष्ण-मुरारी।।

रचना- विजय डंगवाल (स०अ०)
रा० प्रा० वि० खारास्रोत
नरेंद्र नगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 05/10/2020

652

दिन- सोमवार

ऐसे थे बापू जी

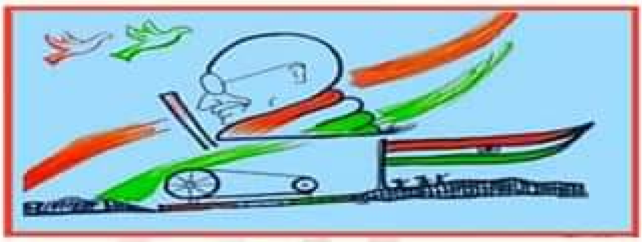

तन के दुबले मन के पक्के,
ऐसे थे राष्ट्रपिता बापू हमारे।
आगे किसी के न झुकने वाले,
धैर्य कभी कहीं न खोने वाले।।

सदा सत्य कथन के विचारक,
निर्मल शुद्ध हृदय के चारक।
एक लँगोटी से तन ढकने वाले,
अहिंसा से धर्म निभाने वाले।।

देश हित को सदा ही तत्पर रहकर,
प्रण लिया स्वराज का अन्न-जल त्याग कर।
गुलामी की बेड़ियों को झिंझोड़ तोड़कर,
अमूल्य उपहार हमें स्वतंत्रता का देकर।।

तन के दुबले मन के पक्के,
ऐसे थे राष्ट्रपिता बापू हमारे।
त्याग किया अंग्रेजी सामानों का,
चरखा कात जबाब दिया जुल्मों का।।

रचना
माहेश्वरी डंगला (स०अ०)
रा० प्रा० वि० सुनील
जोशीमठ, चमोली

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 5/10/2020

653

दिन- सोमवार

हम बेटियाँ

हम बेटियाँ किसी की मोहताज नहीं होतीं।
माना, किसी के घर की सरताज नहीं होतीं।।

उड़ती हवा में, सीना रखती, फौलाद का,
माता-पिता को सुख, देतीं औलाद का,
कोई कह नहीं सकता कि जाँबाज नहीं होती।
हम बेटियाँ किसी की मोहताज नहीं होतीं।

न्योछावर करती हर खुशी,माँ-बाप की खातिर,
होशियार हैं लेकिन, होती नहीं शातिर,
दिखलातीं दिलेरी, चालबाज नहीं होती।
हम बेटियाँ किसी की मोहताज नहीं होती।

प्रातः कालीन धूप सी, मुँडेर पर चढ़तीं,
सेना में शामिल होकर, सीमा पर लड़तीं,
करती है सब लेकिन, आवाज नहीं होती।
हम बेटियाँ किसी की मोहताज नहीं होतीं।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर
जनपद अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/10/2020

654

दिन- मंगलवार

बूँद

रक्त की बूँद
यदि करोगे दान
बचाए प्राण

जल की बूँद
जीवन की है आस
बुझाती प्यास

आँसू की बूँद
भावों का इज़हार
नेत्र आधार

ओस की बूँद
चमके जैसे मोती
तरु धोती

स्वाति की बूँद
बढाए नेत्र ज्योति
बनती मोती

डूबी है नाव
बूँद-बूँद ये आब
बना सैलाब

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना -
फ़राह हारून (प्र०अ०)
प्रा० वि० मढ़िया भांसी
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 6/10/2020

655

दिन- मंगलवार

बेटियाँ हमारी

अपनी बेटी अपनी पहचान, दो कुल की वो बनेगी शान।
मात-पिता के लिए नहीं रखती, स्वार्थ भाव या अभिमान।।

बचपन से समझे जिम्मेदारी,
मुस्कराती बोले लगे बड़ी प्यारी।
सभी से घर में वो हँसे-हँसाए,
परेशान माँ को देख दुःखी हो जाए।।

अर्थशास्त्र का ज्ञान भी रखती,
रिजर्व-बैंक में काम भी करती।
इंजीनियर बन कम्पनी चलाती,
डॉक्टर लाइलाज रोग ठीक कराती।।

भेद मिटे बेटा-बेटी का, वरदान दोंनो ही होते प्रकृति का।
रिश्ता जिएँ अपनेपन का, बल बनें भाई-बहन एक-दूसरे का।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि० तेहरा
मथुरा, मथुरा

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 6/10/2020

656

दिन- मंगलवार

पंच परमेश्वर भाग-6

फैसला सुनते ही जुम्मन,
सन्नाटे में आ गए।
अलगू के फैसले की,
सब लोग प्रशंसा किये।।

इस फैसले से दोनों की,
दोस्ती की जड़ हिल गयी।
जुम्मन को इस फैसले की,
आठों पहर खटकन रही।।

जुम्मन शेख अब हमेशा,
इस ताक में रहने लगे।
कब अलगू चौधरी से,
बदला लेने का अवसर मिले।।

ऐसा अवसर जल्द ही,
जुम्मन के हाथ आया।
अलगू चौधरी बटेसर से,
बैलों की जोड़ी मोल लाया।।

रचना
जितेन्द्र कुमार (ए०आर०पी०)
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/10/2020

657

दिन- मंगवार

उत्तर प्रदेश

तर्ज़- हमें तुमसे प्यार कितना....

उत्तर प्रदेश कितना प्यारा, ये तुम नहीं जानते।
सुनों आज हम कहते हैं, क्या तुमने सुना।।

सुनों लखनऊ है राजधानी, जानते हैं लोग,
बहती यहाँ गंगा की धारा, जानते हैं लोग।
मशहूर है यहाँ तो सुनों, बनारस का पान,
यूनाइटेड प्रोविंस था पहला नाम, ये सब जानते नहीं।।

बीस करोड़ हैं निवासी, मिलाते हैं दिल से दिल,
न्यायिक राजधानी है प्रयागराज, सुनो थाम के दिल।
अट्ठारह मंडल, पचहत्तर जिले, क्या तुम्हें है पता,
मुख्यमंत्री हैं योगी आदित्यनाथ, ये सब हैं जानते।।

गंगा, यमुना है प्रमुख नदियाँ, भाषा है उर्दू, हिन्दी
उत्तराखण्ड है नया राज्य, सुन लो हमारी विनती।
एक बात तुमको बताएँ, आनंदीबेन पटेल हैं राज्यपाल,
प्राचीन सभ्यता यहाँ है जन्मी, ये सब हैं जानते।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना
रूखसाना बानो (स०अ०)
कम्पोज़िट विद्यालय अहरौरा
जमालपुर, मिर्ज़ापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-06/10/2020

658

दिन- मंगलवार

घड़ी

घड़ी है करती टिक-टिक-टिक,
समय गँवाओ ना तुम अधिक।
जल्दी उठकर स्कूल तुम जाओ,
पढ़-लिख कर तुम भविष्य बनाओ।।

घड़ी देखकर काम करो,
घड़ी देख आराम करो।
चाहे हो जाए सुबह से शाम,
करो समय पर सारे काम।।

घड़ी में होती सूई तीन,
बजाती हर घंटे में बीन।
बताती सेकंड, मिनट और घंटा,
शाम को खेलें गिल्ली-डंडा।।

सबको समय बताती है,
बस चलती ही जाती है।
समय का पहिया चलता गोल,
जैसे हमारी पृथ्वी गोल।।

रचना-
रेनू मित्तल (अनुदेशक)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय धौर्रा माफ़ी,
जवां, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-06/10/2020

659

दिन-मंगलवार

"मेरा स्कूल"

सुन्दर मानसरोवर में हो,
जैसे एक कमल का फूल।
सबसे प्यारा है ये मेरा,
चिल्ला शहबाज़ी स्कूल।।

सदा सभ्य और अनुशासन,
बच्चों का यह गहना है।
सादा जीवन, उच्च विचार,
में ही उनको रहना है।।

सुन्दर-सुन्दर बोली भाषा,
सारे बच्चे लगते फूल।
सबसे प्यारा है ये मेरा,
चिल्ला शहबाज़ी स्कूल।।

चिल्ला शहबाज़ी के बच्चे,
विद्यालय की मुस्कान हैं।
दिल के भोले, मन के सच्चे,
बेसिक की ये शान हैं।।

रचना-
पूनम सिंह (स०अ०)
पू० मा० वि०
चिल्ला शहबाज़ी
चायल, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-06-10-2020

660

दिन- मंगलवार

प्यारे-प्यारे बापू

प्यारे -प्यारे बापू,
न्यारे-न्यारे बापू।
सच्चे-सच्चे बापू,
अच्छे-अच्छे बापू ।।

करते सभी से थे प्यार वो,
कभी न करते थे तकरार वो।
सच्चाई की थे मूरत वो,
अहिंसा के थे पूजारी वो।।

सादा जीवन, उच्च विचार,
बापू जी के थे, जीवन आधार।
सात्त्विक भोजन, शुद्ध आहार,
बापू जी के थे,नित्याहार।।

बचपन से ही नियम के पक्के थे,
मात-पिता के आज्ञाकारी बच्चे थे।
हर कर्म में बिल्कुल सच्चे थे,
वो बेहद ही अच्छे थे।।

रचना
सुमन मौर्या (स०अ०)
प्रा० वि० डेरवाखुर्द
चहनियां, चंदौली

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/10/2020

661

दिन- मंगलवार

उत्तराखण्ड

निर्माण हुआ 9 नवंबर 2000,
तीर्थ जहाँ के चार-धाम, बद्री-केदार।
गंगा-यमुना नित पावन करती,
ऋषियों की तपस्थली यह धरती।।

ऐसा उत्तराखंड राज्य प्यारा,
13 जिलों से बना हमारा।
देहरादून राजधानी इसकी,
ग्रीष्मकालीन गैरसैण जिसकी।।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत,
राज्यपाल श्रीमती बेबी रानी मौर्य है।
वीर प्रसूता धरती है यह,
जग प्रसिद्ध यहाँ का शौर्य है।।

उच्च न्यायालय सुंदर नैनीताल,
मसूरी पहाड़ों की रानी है।
फूलों की घाटी यहाँ सजी,
पर्यटन की सुंदर कहानी है।।

रचनाकार-
भागीरथी पाण्डे (प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० परमा
हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 06/10/2020

662

दिन- मंगलवार

"समझें संकेत समय का"

चिंतन में परिवर्तन लाएँ,
बदलें जीवन शैली।
इस समाज में कहीं न दिखे,
इसमें दृष्टि विषैली।।

आज मिला है अवसर,
हम सब अपनी ओर निहारें।
एकाकीपन में अपनी,
कमियों को हम स्वीकारें।।

कभी न सोचा साथ हमारे,
भी क्या कुछ जाएगा?
अर्जित में से काम हमारे,
कितना आ पाएगा।।

दोहराएँगे लोग हमारी,
कैसे कुटिल कथाएँ?
समझें हम संकेत समय का,
सावधान हो जाएँ।।

रचना:-
पुष्पा तिवारी (स०अ०)
रा० जू० हा० आमबाग
टनकपुर- चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-07/10/2020

663

दिन- बुधवार

चतुर कौवा

तेज धूप से कौवा आया,
पानी कहीं नहीं मिल पाया।
इधर-उधर वह फिर मंडराया,
कहीं नहीं पर पानी पाया।।

प्यासा कौवा उड़ते-उड़ते,
एक घड़े में देखे पानी।
देख हुई उसको हैरानी,
फिर उसने यह मन में ठानी।।

बीन-बीन फिर कंकड़ लाया,
एक-एक कंकड़ उसमें गिराया।
तब कहीं पानी ऊपर आया,
मेहनत का फल उसने पाया।।

प्यासे कौवे ने प्यास बुझायी,
उसकी मेहनत अब रंग लायी।
प्रण कर ले हम बच्चे सारे,
मेहनत से हम कभी ना हारे।।

रचना

नीतिका वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा०वि० मनोहरपुर कायस्थ,
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनाँक- 07/10/2020
664
दिन- बुधवार

सैर-सपाटा

एक गेंद थी बड़ी निराली,
लाल हरी नीली और काली।
दूजा मिला घूमता डिब्बा,
उसमें मीठा भरा मुरब्बा।।

मिला तीसरा उनको छाता,
बोला कर लो सैर सपाटा।
चौथा उन्हें मिला खरगोश,
बोला तुम क्यों हो खामोश।।

पहले सभी चलेंगे दिल्ली,
मिले सात छल्लों की इल्ली।
जब दिल्ली का रास्ता पकड़ा,
मिला आठ टांग का मकड़ा।।

बोला शहर घूमना सारा,
मिले पाँच कोन का तारा।
जब पाँचों ने बात बनायी,
छः टांगों की चींटी आयी।।

अलग अलग बहुरंगों वाली,
तितली थी नौ बिंदी वाली।
मिलकर सबने पकड़ी बस,
मिली गिलहरी हो गए दस।।

मिलकर सबने मौज मनायी।
हमको दस तक गिनती आयी।।

रचना
जीवन बाबू कश्यप 'अंकुश' (स०अ०)
प्रा० वि० सरौता
उझानी, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-07/10/ 2020

665

दिन-बुधवार

खुले में शौच नहीं नहीं

अरे सुन लो दादा! अरे सुन लो मामी!
अरे सुन लो चाचा! अरे सुन लो नानी!
भला रहेगा मेरी बात जो मानी,
खुले में शौच नहीं नहीं नहीं।।

खुले में शौच से क्या होता है, क्या होता है?
बहु-बेटियाँ बाहर जायें तो अपमानित हो जाती हैं।
अरे मान-सम्मान गँवाती हैं इज्ज़त घट जाती है,
खुले में शौच नहीं नहीं नहीं।।
खुले में शौच जायेंगे तो क्या होता है, क्या होता है?
गन्दगी समाती है रोग अनेक लाती है।
कीटाणु जमा होते हैं संचारी रोग फैलाती है,
खुले में शौच नहीं नहीं नहीं।।

कर लो प्रण अरे! कर लो प्रण,
अपने घर की इज्ज़त को बाहर नहीं जाने देना।
आस-पास के जीवन को रोग-मुक्त है कर देना,
बन्द में शौच सही सही सही।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना

रश्मि शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि०विशुन नगर
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-07/10/2020

666

दिन- बुधवार

मेरी रसोई

आओ चलो रसोई की ओर,
सीखें कुछ बातें करो न शोर।
रसोई होती हर घर की जान,
इससे होती घर-घर की शान।।

खाना बढ़िया आज बना है,
खुशबू से सब घर महका है।
घी से भरी गरम कढ़ाई,
पूरी गरम निकल कर आयी।।

आलू, गोभी, परवल, लौकी,
ढेर-सी सब्जी आज खरीदी।
चाकू से काटो सब जल्दी,
धोकर, छोंको डालो हल्दी।।

तरह-तरह के खट्टे-मीठे,
अचार हैं रखे चार तरह के।
मिक्सर की आवाज दी सुनायी,
चटनी देखो पिस कर आयी।।

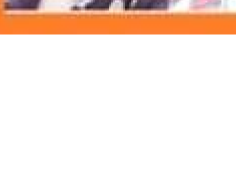

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- कर्ण

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-07/10/2020 | 667 | दिन- बुधवार

प्रकाश संश्लेषण

आओ बच्चों! जानें हम एक प्रक्रिया,
नाम है जिसका प्रकाश-संश्लेषण,
ये है ऐसी प्रक्रिया जिसके द्वारा,
पौधों की पत्तियाँ बनाती हैं भोजन।।

इस क्रिया में CO_2 और H_2O मिलकर,
कार्बोहाइड्रेट और ऑक्सीजन हैं बनाते।
यह कार्य सूरज की रोशनी और,
क्लोरोफिल से ही हो पाते।।

फ्लोएम, जो भोजन पत्तियों से,
तने और पूरे पेड़ मे हैं पहुँचाते।
जाइलम जमीन से जड़ों द्वारा,
खनिज-लवण ऊपरी भाग में हैं पहुँचाते।।

पत्तियाँ वातावरण से स्टोमेटा,
की मदद से CO_2 हैं सोखती।
जब ऑक्सीजन निकलती है तो,
पर्यावरण की हवा शुद्ध होती।।

रचना- ज्योति सागर (स०अ०),
कम्पोजिट उ० प्रा० वि० सिसाना,
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/10/2020

668

दिन- बुधवार

"मत घबराना बच्चों"

सबकी प्यारी लाड़ली मीना,
सिखा रही कुछ नया काम।
प्यारे बच्चों! घर पर रहकर,
भूल न जाना पढ़ने का काम।।

यदि फ़ोन हो पास तुम्हारे,
फ़ोन करो तुम मैडम को।
पापा भइया से कह कर के,
डाउन-लोड करो एप को।।

कोविड-19 से मत घबराना,
स्कूल खुलेगा जल्द ही।
पर इतना रखना ध्यान,
हाथों को सेनेटाइज करना जी।।

रचना-

अनुराग श्रीवास्तव
(स०अ०)
पू० मा० वि०
गौसपुर, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/10/2020

669

दिन- बुधवार

लक्षद्वीप

प्रकृति की गोद में बसा बेहद सुंदर द्वीप है,
भारत का सबसे छोटा संघ राज्य क्षेत्र है।
बंगाल की खाड़ी में स्थित कवारत्ती राजधानी है,
36 द्वीपों वाले द्वीप की मनमोहक कहानी है।।

इसका अर्थ "एक लाख
द्वीप" नाम में है,
छिपी इसकी निराली-प्यारी
पहचान में है।
सुनहरे समुद्र तट, नारियल
के घने जंगल,
अन्दरोत बड़ा शहर जिला
केवल एक है।।

साफ पानी में रंगीन मछलियाँ व जादुई लैगून हैं,
चमकीली बालू वाले बीच व शांत वातावरण जुनून हैं।
बच्चे बड़े सभी लोगों को काफी भाते हैं।
शर्त है कि लोग यहाँ परमीशन लेकर आते हैं।।

रचना- गुलफ्शाँ (स०अ०)
प्रा० वि० केवटरा बेंता
देवमई, फतेहपुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 07/10/2020

670

दिन- बुधवार

हमारा उत्तराखंड

उत्तराखंड, देवों की भूमि,
नौ नवम्बर की है स्थापना।
देहरादून, गैरसैण राजधानी,
पहाड़ हैं भोगोलिक संरचना।।

गढ़वाल, कुमाऊँ दो मण्डल,
कृषि, पशुपालन, आजीविका।।
चेंसू, मंडुआ, बालमिठाई,
सिसोण, गहोत का डुबका,

मेलों के हैं धूम-धड़ाके,
गंगादशहरा, उत्तरायणी, देवीधुरा।
घाघरा, आँगडी, गलोबंद,
चर्यो, पोंजी, नथ, परम्परा।।

सीढ़ीदार खेतों से सुसज्जित,
चारों धाम यहाँ हैं स्थापित।
ढोल-दमाऊ, जागर धार्मिक,
देवभूमि, पावन और पूजित।।

बेबीरानी मौर्य गवर्नर, त्रिवेंद्र मुख्यमंत्री,
ऐपन, चौकी, लोक-कथाएँ सुंदर लगतीं।

रचना- माया गुरुरानी (स०अ०)
रा० आ० प्रा० वि० धौलाखेड़ा
हल्द्वानी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

माँ का आँचल

माँ! तेरे आँचल का क्या कहना?
जब तेरी कोख में शिशु रहता।
दुनिया की बुरी नजरों से,
तेरा आँचल ही उसे बचाता।।

माँ! जब धरा पर जन्म लेता,
वात्सल्य, प्रेम, करुणा है बरसाता।
तेरे आँचल के बिना तो माँ,
वीरान-सी लगती है ये दुनिया।।

बचपन में लुका-छुपी का
खेल खिलाता है तेरा आँचल।
माँ ! दोपहर की धूप में,
शान्त-शीतल लगता तेरा आँचल।।

माँ! जिन्दगी की उलझनों के बीच,
समाधानालय सा लगता तेरा आँचल।
माँ! इस पवित्र धरा पर प्रभु की,
छत्र-छाया सा लगता तेरा आँचल।।

रचना-
बीना जोशी (स०अ०)
रा० उ० मा० वि० जानकीधार
लोहाघाट, चम्पावत

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-08/10/2020

672

दिन- गुरुवार

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय है मुझको प्यारा,
हमेशा लगता है ये सबसे न्यारा।
विद्यालय में सुविधाओं का है समावेश,
अध्ययन हेतु है यहाँ बहुत अच्छा परिवेश।।

यहाँ के बच्चे बहुत ही अच्छे,
हमको समझे वे अध्यापक सच्चे।
हमारे विद्यालय का क्या कहना?
वो तो है हमारे अलीगढ़ का गहना।।

विद्यार्थी यहाँ ध्यान से पढ़ते,
सभी शिक्षक खूब पढ़ाते।
संस्कार और नैतिक शिक्षा से,
सब बच्चों का जीवन सफल बनाते।।

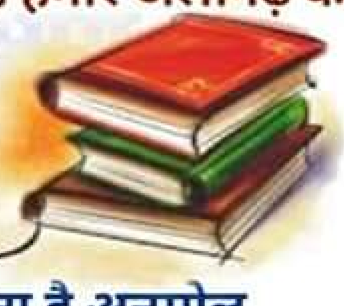

मेरा सपना है अनमोल,
मेरे बच्चे बढ़ाये जग में मोल।
हो ऊँचा सदा विद्यालय का नाम,
जग में मिले बच्चों को विशेष स्थान।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- उर्मिला रानी (स०अ०)
एकीकृत विद्यालय रेसरा
ब्लॉक- चंडौस, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/10/2020

673

दिन- गुरुवार

मेरा परिवार

आशा और विश्वास से भरा रहे परिवार,
फूलों सा महके सदा घर-आँगन, संसार।
घर का कोना-कोना उपवन सा लागे,
दुनिया की हर रौनक फीकी इसके आगे।।

अपनों का हो संग मिले सभी का प्यार,
हर दिन खुशी भरा हो हर दिन हो त्योहार।
मेरा घर है एक मंदिर मात-पिता हैं ईश,
हर दौलत से बढ़कर है उनका आशीष।।

घर में स्नेह सभ्यता और मिले अनुशासन,
मात-पिता के दम से घर में हो प्रशासन।
जैसे सूर्य के बिना पृथ्वी पर हो अंधकार,
मात-पिता के बिना कभी ना पूर्ण हो परिवार।।

पति-पत्नी का मान हो जिसमें,
मात-पिता का सम्मान हो जिसमें।
भले बुरे का ज्ञान हो जिसमें,
हर मुश्किल आसान हो जिसमें।।

ऐसा हो मेरा परिवार। ऐसा हो मेरा संसार।।

रचना
रविन्द्र कुमार "रवि" सिरोही
ए० आर० पी०, बड़ौत, बागपत

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-08-10-2020

674

दिन- गुरुवार

प्यारे बापू

हम बच्चों के प्यारे बापू,
सारे जग से न्यारे बापू।
काज किए हैं न्यारे-न्यारे,
दिल में रहते सदा हमारे।।

अहिंसा का पाठ पढ़ाते,
सदा सच बोलो, ये बतलाते।
बुरा ना देखो, ये समझाते,
सुनो बुरा ना, ये बतलाते।।

जीवन की सच्ची राह दिखाते,
देश के राष्ट्रपिता कहलाते।
हिम्मत से लड़ना हमें सिखाते,
हिंसा मत करना, ये समझाते।।

सादा-जीवन, उच्च-विचार,
सोच समझ कर करो विचार।
नमन करें हम बापू तुमको,
याद आते हो तुम हमको।।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

रचना
सपना (स०अ०)
प्रा० वि० उजीतीपुर,
भाग्यनगर, औरैया

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08-10-2020

675

दिन- गुरुवार

मेरा गाँव

नहीं दिखावा, कहीं जरा भी,
मैं गाँव में रहता हूँ।
सुनो जरा तुम दुनिया वालो,
तुमसे मैं कुछ कहता हूँ।।

ताजा-ताजा पछवा आता,
ठंडी-ठंडी पुरवाई।
सब्जी लाते रोज खेत से,
कहकर चाची और ताई।।

दीख रही है दूर-दूर तक,
हरियाली ही हरियाली।
महक रही है सरसों पीली,
जामुन है काली-काली।।

मंथन होता चौपालों पर,
लोकगीत की हवा चले।
ढोलक-चिमटा और मंजीरा,
जब-जब दिन से शाम ढले।।

रचना
सन्तोष कुमार गुप्ता (प्र०अ०)
प्रा० वि० सराय ब्राह्मण
जुनावई, सम्भल

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-08-10-2020

676

दिन- गुरुवार

लाल बहादुर शास्त्री

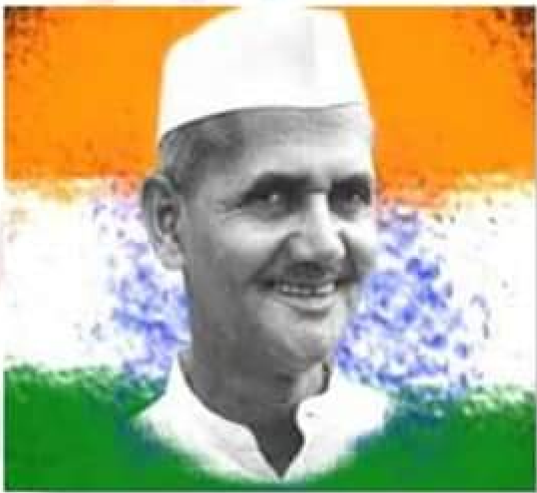

ताशकंद में हिन्द देश का,
वीर बहादुर सो गया।
भारत माँ का अनमोल रत्न,
न जाने कहाँ खो गया।।

दो अक्टूबर को भारत माँ की,
गोद में जन्म लिया जिसने।
नाम था लाल बहादुर शास्त्री,
बहादुर काम किये उसने।।

जय-जवान जय-किसान,
उनका ही तो नारा था।
निज प्राणों को देकर,
भारत माँ को सँवारा था।

आओ ऐसे वीर का बच्चों,
मिलकर जन्मदिवस मनाते हैं।
और नमन कर उनके चरणों में,
सभी श्रद्धा सुमन चढ़ाते हैं।।

रचना
पिंकी सिंह (स०अ०)
प्रा० वि० सउआपुर
सकीट, एटा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 08/10/2020

677

दिन-गुरुवार

"पर्यावरण"

घर-घर में हम पौधे लगाएँ,
पर्यावरण को स्वच्छ बनाएँ।
चारों तरफ हरियाली छा जाए,
मन सबका हर्षित हो जाए।।

पौष्टिक फल खाने को मिलेगा,
सबका शरीर स्वस्थ बनेगा।
जंगल को कटने से बचाना है,
धरती पर पेड़ लगाना है।।

कल-कारखाने इतने बढ़ाओगे,
तो एक दिन बहुत पछताओगे।
ऑक्सीजन का भंडार हैं ये,
पक्षियों के घर-बार हैं ये।।

औषधि मिलती सारी हैं,
इनकी महिमा न्यारी हैं।
पेड़ों की रक्षा करने की,
हम सभी की जिम्मेदारी है।।

रचना-
सुमन कुशवाहा
(प्र०अ०)
प्रा० वि० भगवानपुर
नेवादा, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/10/2020

678

दिन- गुरुवार

सप्ताह के दिन

सप्ताह के दिन होते सात।
सबसे पहले आता रविवार।।
दूसरा दिन आता सोमवार।
मिल-जुल कर हम स्कूल जाते हर बार।।

तीसरा दिन आता मंगलवार।
बैठकर पढ़ते हिन्दी-अंग्रेजी अखबार।।
चौथा दिन आता बुधवार।
पढ़ते हमारा परिवेश में हमारा परिवार।।

पाँचवाँ दिन आता गुरुवार।
सब छात्र सीखते नैतिक व्यवहार।।
छठवाँ दिन आता शुक्रवार।
सीखते अच्छे आचार-विचार।।

सातवाँ दिन आता शनिवार।
सीखते कला-संस्कृति व सुविचार।।
सप्ताह के दिन होते सात।
विद्यालय जाकर हम सीखते अच्छी बात।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-08/10/2020

679

दिन- गुरुवार

बचपन

कितना प्यारा बचपन मेरा,
था चाव बड़ा ही सुन्दर।
भय-मुक्त रहा मैं हरदम,
खिला-खिला मन अन्तर।।

खुशियों का था जीवन मेरा,
कितना था वह हरा-भरा?
चंचल मन भी बड़ा निराला,
मैं धुन का पक्का गहरा।।

रस्सी-साँप समान समझता,
नित निर्भय जीवन मेरा।
संकट देख नहीं घबराया,
कोई भेद न काला-गोरा।।

बचपन एक पहेली सुन्दर,
जिसका सरल न उत्तर।
कल की चिन्ता नहीं सताए,
बीते पल-पल सुखकर।।

सुरेश कुमार (प्र०अ०)
प्रा० वि० बांसुरा(प्रथम)
रामपुर मथुरा, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08-10-2020

680

दिन- बुधवार

अपाला

बहुत ही सुन्दर और बुद्धिमान,
अपाला का सब करते गुणगान।
एक बार अपने श्वेत दाग को देखा,
अपाला जब करने गयी स्नान।।

दागों को उसने सबसे छिपाया,
पिता ने विवाह कृशाश्व से कराया।
कृशाश्व की दृष्टि दाग पर पड़ी,
तब तिरस्कार कर उसे भगाया।।

पिता के आश्रम में आकर अपाला,
इन्द्र देव की उपासना करती।
प्रेम पूर्वक मंत्रो का जाप कर,
सत्तू, सोमरथ चढ़ाया करती।।

अपाला की भक्ति से गद-गद,
भगवान इन्द्रदेव हुए प्रकट।
इन्द्र के वरदान से रोग मुक्त हुई,
शरीर उसका फिर उठा चमक।।

रचना-
शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि० भौंरी- 1
मानिकपुर, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-08/10/20 681 दिन- गुरुवार

इन्द्रियाँ

मनुष्य की होतीं इन्द्रियाँ पाँच,
जो करती हैं सबकी जाँच।
आओ बतायें इनके नाम,
एक-एक करके सबके काम।।

पहली इन्द्रिय होती आँख,
जो दिखाती दुनिया सारी।
दूसरी इन्द्रिय होती नाक,
ये बताती खुशबू प्यारी।।

तीसरी इन्द्रिय होते कान,
जो आते हैं सुनने के काम।
चौथी इन्द्रिय होती जीभ,
बताती मीठी, कड़ुवी, खट्टी चीज।।

पाँचवीं इन्द्रिय होती है खाल,
सारे अंग रखती सम्भाल।
सर्दी, गर्मी और उमस से,
आओ रखें इसका ख्याल।।

रचना-
संतोष पंत (स०अ०)
रा० प्रा० वि० सुंदरखाल नवीन
धारी, नैनीताल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 08/10/2020

682

दिन- गुरुवार

बरखा और स्वच्छता

छम-छम करके बरखा आयी,
काले घने बादल भी लायी।
देखो बिजली भी है चमक उठी,
किसानों की फसलें लहरा उठी।।

मेंढक कर रहे सुनो टर्र-टर्र,
बच्चों! तुम मत भटको इधर-उधर।
पढ़ाई में अपना मन लगाओ,
पढ़-लिखकर खूब नाम कमाओ।।

बारिश में स्वच्छता का भी रखो ध्यान,
सुन लो बच्चों! यह अच्छा ज्ञान।
साफ-स्वच्छ रखो अपना परिवेश,
तभी स्वच्छ रहेगा हमारा भारत देश।।

हम सभी का एक ही नारा है,
सुंदर देश अपना हमें प्यारा है।
सबसे पहले करो तुम पढ़ाई,
तभी होगी बच्चों! तुम्हारी बड़ाई।।

रचना- कुसुम लता नौटियाल
(स०अ०)
राजकीय प्रा० वि० खर्क
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक-09/10/2020

683

दिन- शुक्रवार

किताबें

किताबों की दुनिया,
बड़ी है सुहानी।
इसी में मिलती,
नानी की कहानी।

दुनिया जहाँ में,
कोई खोज होती।
उसकी कहानी,
किताबों ने छानी।।

कभी छोटी, पतली,
कभी मोटी, भारी।
बड़ी प्यारी लगती है,
किताबों की बानी।।

सारे जगत को,
यदि जानना हो।
किताबें पढ़ो तुम,
जगत की कहानी।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

रचना- कविता गुप्ता (स०अ०)
पूर्व माध्यमिक विद्यालय
बिसाहुली
इगलास, अलीगढ़

"महात्मा गाँधी"

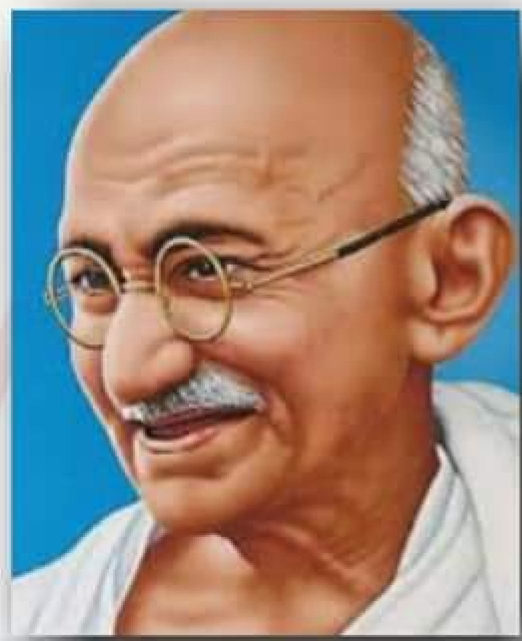

सुनो-सुनो एक कहानी,
बापू की अमर कहानी।
अब से कहना तुम भी कहानी,
जब सुनोगे बापू की कहानी।।

सन् 1869 में जन्म पोरबंदर में पाए,
मोहनदास के पुत्र कहलाए।
माता पुतली के जाए,
मोहनदास करमचंद गाँधी कहलाए।।

बचपन में राजा हरिश्चंद्र नाटक ने सिखाया,
बचपन की सीख जीवन भर अपनाया।
जीवन में सत्य-अंहिसा को ढाल बनाया,
बिना लड़ाई-झगड़े के देश को आजाद कराया ।।

रचना-
शालिनी सिंह
(स०अ०)
प्रा० वि० जानकीपुर
सिराथू, कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 09/10/2020

685

दिन- शुक्रवार

सूर्य और उसके ग्रह

सौरमण्डल क्या है बच्चों,
यह तुमको बतलाते हैं।
आठ ग्रह और सूरज दादा,
सौरमंडल कहलाते हैं।।

सबसे निकट ग्रह बुध है,
छोटा सा आकार है।
चमकीला शुक्र है बच्चों,
पृथ्वी जीवन का आधार है।।

लाल-लाल ग्रह है मंगल,
बृहस्पति सबसे विशाल है।
इसके बाद शनि है आता,
चहुँ ओर छल्ले जैसी चाल है।।

सातवाँ ग्रह अरुण नाम है,
आठवाँ वरुण कहलाता है।
सभी लगाते सूर्य के चक्कर,
सबके मन को यह भाता है।।

रचना-
साहू सावेंद्र गुप्ता (स०अ०)
उ० प्रा० वि० सुजानपुर,
बिसौली, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 09-10-2020

686

दिन- शुक्रवार

स्कूल चलो अभियान

तर्ज- काले रंग पे मोरनी रुदन करे

चलो-चलो-चलो स्कूल चलो अब,
ज्ञान का हर कोई जिक्र करे।
कोई बच्चा अब न घर पे रुके।।

नयी-नयी पुस्तक तुमको मिलेंगी,
मन से सब निशिदिन ही पढ़ें।
कोई बच्चा अब न घर पे रुके।।

गरम-गरम रोज यहाँ भोजन मिलेगा,
जिसका स्वाद हर कोई चखे।
कोई बच्चा अब न घर पे रुके।।

प्यारे-प्यारे वहाँ दोस्त मिलेंगे,
आपस में हिल-मिल के रहें।
कोई बच्चा अब न घर पे रुके।।

पढ़ें-लिखें हम आगे बढ़ेंगे,
सीढ़ी सफलता की अब चढ़ें।
कोई बच्चा अब न घर पे रुके।।

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

रचना

रश्मि (प्र0अ0)
प्रा0वि0 गुलाबपुर
भाग्यनगर, औरैया।

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 9/10/2020

687

दिन- शुक्रवार

सर्दी है आयी

सर्दी की ऋतु जब से आयी,
निकले स्वेटर और रजाई।
पहने कितने सारे कपड़े,
काँपे नानी काँपे ताई।।

पानी छूने से डरते हम,
छुपकर अपनी जान बचायी।
गर्म चाय के साथ पकौड़े,
खूब खिलाती हमको माई।।

आग सेंकते रहते हैं सब,
फिर भी काँपे थर-थर भाई।
धूप देखने को हम तरसे,
सूरज खेले छुपम-छुपाई।।

बिस्तर से प्रात: उठने को,
कहती हमसे जब है माई।
ठण्ड से दुबके रहते हम सब,
जब से ये सर्दी है आयी।।

रचना
शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-09-10-2020

688

दिन- शुक्रवार

'मेरा उत्तराखंड' भाग- 1

देश का २७ वाँ राज्य,
भारत माँ का भाग उत्तरी।
दो-दो राजधानियाँ और,
पहाड़ों की रानी मसूरी।।

गहरी-गहरी हैं घाटियाँ,
ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों का आवास।
मोर, मोनाल से सुंदर प्रिय,
पक्षियों का यहाँ निवास।।

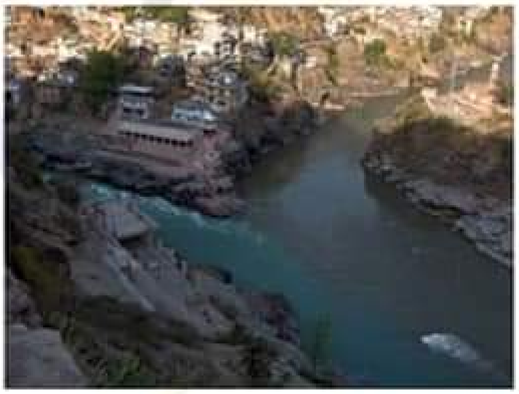

सदियों से रही तपोभूमि,
देवभूमि भी कहलाये।
चार-धाम यहाँ स्थिति हैं,
सभी शीश झुकाने आये।।

गंगा, यमुना, रामगंगा,
सरयू आदि का उद्गम।
पाँच प्रयाग यहाँ पर हैं,
पवित्र नदियों के संगम।।

रचना- अनिता नौडियाल
(स० अ०)
रा० प्रा० वि० मैंखंडी मल्ली
कीर्तिनगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

शिक्षक का सम्मान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-09.10.2020

689

दिन- शुक्रवार

शिक्षा की ज्योति

शिक्षा की अब ज्योति जलेगी,
हर बालक, बालिका पढ़ेगी।
होगा ज्ञान का अब संचार,
मिटे अशिक्षा अत्याचार।।

खेल-खेल में वहाँ सिखलाते,
गुरूजन राहें भी दिखलाते।
अच्छी शिक्षा मिले हर बार।
जहाँ होता नित-नित नवाचार।।

अब कोई बच्चा छूटे ना,
शिक्षा से कोई रूठे ना।
कलम-किताब हर हाथ में हो,
शिक्षा सभी के साथ में हो।।

शिक्षा सबको अब है पाना,
आओ सभी को है समझाना।
यहाँ बच्चों का सुन्दर संसार,
बहती जहाँ है ज्ञान की धार।।

रचना- भुवन बिष्ट (स०अ०)
रा० प्रा० वि० मौना
रानीखेत, अल्मोड़ा

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान
काव्यांजलि दैनिक सृजन
दिनाँक-10/10/2020
690
दिन-शनिवार

"राष्ट्रपिता महात्मा गांधी"

इस महान धरती पर जब,
महान व्यक्तित्व ने जन्म लिया।
तब नैतिक मूल्यों का उदय हुआ,
और अनैतिकता को खत्म किया।।

सबके दिलों पर राज किया जब,
तब सब के बापू कहलाए।
और राष्ट्र-हित में काम किया जब,
तब 'राष्ट्रपिता' का नाम दिया।।

भारत में अंग्रेज आए जब,
धरती को बंदी बना लिया।
गांधी जी जैसे सपूतों ने तब,
अपनी धरती को बचा लिया।।

सत्य-अहिंसा का पाठ जब,
गांधी ने सबको सिखलाया।
सब ने एकजुट होकर तब,
अंग्रेजों को भगा दिया।।

रचना
शिल्पी वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा०वि०मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 10.10.2020

691

दिन- शनिवार

सप्तर्षि मण्डल

सात तारे टिम-टिम-टिम,
करते लगातार हैं।
उत्तर में चमकता जो,
वही पोल स्टार है।।

क्रतु, पुलह, वशिष्ठ हैं,
अंगिरा भी फिट्ट है।
अत्रि, मरीचि, पुलस्त्य हैं।
सात तारे मस्त हैं।।

ध्रुव तारे की परिक्रमा,
ये सातों लगाते हैं।
सप्तर्षि मण्डल के,
नाम से जाने जाते हैं।।

पोल स्टार ही,
ध्रुव तारा कहलाता है।
रात में देखना,
उत्तर दिशा बताता है।।

रचना
राज कुमार शर्मा (प्र०अ०)
यू० पी० एस०, चित्रवार,
मऊ, चित्रकूट

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 10/10/2020

692

दिन- शनिवार

"बाल श्रम"

नन्हें-नन्हें कन्धों पर,
बाल श्रम का तसला।
सूखी-सूखी आँखें,
उत्पीड़न का थैला।।

कच्ची-कच्ची राहें,
जग इनका सहमा।
ना माँ की मीठी लोरी,
ना पिता प्रेम सुनहरा।।

चूल्हा-चक्की में फंस
सखी-सहेली स्कूल छूटा।
सुलगी गुड्डी-गुडिया अपनी,
बचपन इनका हर रोज जला।।

अब ना लादो इन पर,
ये पाप-श्रम का गठरा।
पढ़ने दो, बढ़ने दो,
तब होगा भारत में सवेरा।।

रचना-

आनंद कुमार
(स०अ०)
प्रा० वि० चायल
कौशाम्बी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 10/10/2020 | 693 | दिन-शनिवार

बच्चे मन के सच्चे

मम्मी-पापा दीदी-भाई,
सब खाते हैं दूध-मलाई।
हलुवा, पेड़ा, रबड़ी देखो,
सबके मन को है भायी।।

जल्दी खुल जाए स्कूल,
यही प्रार्थना सब गाएँगे।
फिर हम सब अपना बस्ता,
लेकर गुरु से मिलने जाएँगे।।

साथ में हम-सब मिलकर,
मध्याह्न भोजन खाएँगे।
सब दोस्तों का हाथ पकड़कर,
हँसते घर को जाएँगे ।।

रीड-अलोंग का प्रयोग करके,
नई चीज सीख कर आएँगे।
मिशन-प्रेरणा की वर्कशीट को,
भर के हम सब लाएँगे।।

रचना

सौरभ जायसवाल (प्र०अ०)
प्रा० वि० टकपुरवा
खैराबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

शिक्षक का सम्मान

दिनाँक- 10/10/2020

694

दिन- शनिवार

हमारे राष्ट्रीय प्रतीक

न्यारा भारत देश हमारा,
हमको है प्राणों से प्यारा।
राष्ट्र प्रतीक हैं इसकी शान,
बताते हैं देश की पहचान।।

फूलों में यूँ तो अनेक फूल हैं,
लेकिन राष्ट्रीय पुष्प कमल है।
सरोवर में है इसका मकान,
गुलाबी रंग है इसकी शान।।

पक्षियों में यूँ तो पक्षी अनेक,
लेकिन राष्ट्रीय पक्षी मोर है।
रंग बिरंगे पंख है इसके,
सुंदरता में इसका शोर है।।

पशुओं में यूँ तो अनेक पशु हैं,
लेकिन बाघ राष्ट्रीय पशु है।
शेर समान है ये बलवान,
तेज दौड़ना इसकी पहचान।।

चार सिंह से बना राष्ट्र चिह्न,
अशोक की लाट कहलाए।
सत्य की विजय हमेशा होती,
ऐसी सीख हमें बतलाए।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना
प्रियंका सक्सैना (स०अ०)
प्रा० वि० बैरमई खुर्द
अम्बियापुर, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 10-10-2020

695

दिन- शनिवार

मेरा रुद्रप्रयाग

चौखम्भा का उच्च शिखर,
और मन्दाकिनी की निर्मल धारा।
सच मानो लगता है पावन,
रुद्रप्रयाग हमारा, रुद्रप्रयाग हमारा।

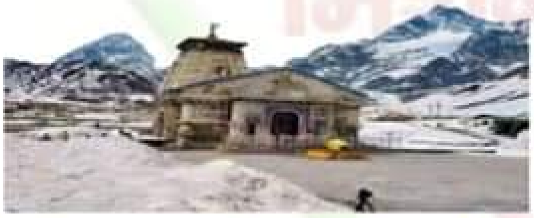

श्री केदारनाथ के पावन दर्शन,
करने आता भारत सारा।
सच मानो पावन लगता है,
रुद्रप्रयाग हमारा, रुद्रप्रयाग हमारा ।।

केदारनाथ से मन्दाकिनी,
मद्महेश्वर से मधुगंगा।
तुंगेश्वर से आकाशकामिनी,
की बहती निर्मल धारा।।

तीन युगी पावक के दर्शन,
होते त्रियुगीनारायण में।
प्रतिदिन नौबत बजती रहती,
ऊषा के पावन मन्दिर में।।

रचना - माधव सिंह नेगी
(प्र०अ०)
रा० प्रा० वि० जैली
जखोली, रुद्रप्रयाग

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 10.10.2020

696

दिन- शनिवार

हम बच्चे थे कैसे

बचपन की है बात निराली,
मन में आया जो कह डाली।
बने आइसक्रीम ठेले वाले,
नेता-अभिनेता कभी कबाड़ी।।

नौकर, पायलट कभी चौकीदार,
बदलते मन पसन्द किरदार।
हद तो तब हो गई जब हमने,
कुत्ता बनना किया स्वीकार

चार हाथ-पैर से चलना,
काटना, सोना और भौंकना।
पर फिर भी सीख नहीं सके हम,
पैर से अपने कान खुजाना।।

अच्छा इंसान है मुझे बनना,
बात समझ मेरे तब आयी।
रोज नहीं बदलूँगा इरादे,
इंसान बनने की शिक्षा पायी।

रचना-
स्नेह लता ध्यानी (प्र०अ०)
राजकीय प्रा० वि० क्यार्की
नरेंद्र नगर, टिहरी गढ़वाल

शिक्षा का उत्थान
मिशन शिक्षण संवाद
शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/10/2020

697

दिन- सोमवार

निराली आवाज़ें

बोली बिल्ली म्याऊँ-म्याऊँ,
क्या मैं तुमको खाने आऊँ?
बोला चूहा चूँ-चूँ-चूँ,
भागो जल्दी टुर्रम टूँ।।

बोला मुर्गा कुकड़ू-कूँ,
कबूतर करता गूटर-गूँ।
चीं-चीं करती चिड़िया आयी,
संग में दाने चार लायी।।

खौं-खौं करता बन्दर आया,
अपने साथ बन्दरिया लाया।
पंख फैलाए मोर आया,
पीहू-पीहू गाना गाया।।

झींगुर की है झाँय-झाँय
कौआ बोला काँव-काँव।
कूहु-कूहु कोयल गाये,
मतवाले हम सुनते जायें।।

रचना-
डॉ० रैना पाल (स०अ०)
परि० सं० वि० आमगाँव
वि० क्षे० जगत, बदायूँ

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-12/10/2020

698

दिन- सोमवार

रेनू की दिनचर्या

सुबह 5:00 बजे घंटी बोली,
रेनू ने अब आँखें खोली।
सुस्ती दूर भगाकरके,
पढ़ने अपनी पुस्तक खोली।

7:00 बजे तक पढ़ती हूँ,
जाड़े से नहीं डरती हूँ।
दातून और नहा-धोकर,
9:00 बजे स्कूल जाती हूँ।।

छुट्टी होती 3:00 बजे,
फिर तो आए मेरे मजे।
खेल-कूद कर मैं घर पर,
फिर पढ़ती हूँ 8:00 बजे।।

10:00 बजे मैं सो जाती हूँ,
सपनों में खो जाती हूँ।
यह है मेरी दिनचर्या,
5:00 बजे फिर जग जाती हूँ।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

रचना- नरेन्द्र कुमार वर्मा
(प्र०अ०)
प्रा० वि० बझेड़ा
चंडौस, अलीगढ़

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक- 12/10/2020 | 699 | दिन- सोमवार

आपदा में अवसर

कोविड का मौका लेव भुनाई,
अब ऑनलाइन होय पढ़ाई।
बूढ़ा सुवा नहीं पढ़ि पावै,
ई मिथकन का दियो भुलाई

कोविड आयो कछु सिखलायो,
सबको जीना दियो सिखाई।
तन की, घर की करौ सफाई,
कहीं जो जाओ, मास्क लगाई।।

पढ़ि ल्यो काका, पढ़ौ रे काकी,
गाँव की सबसे बूढ़ी माई।
सब अधिकारन का तुम जानौ,
कौनौ मूरख नहीं बनाई।।

गाँव की दादी, चाची, ताई,
पढ़ौ सबै मिलि ननद-भौजाई।
बीता है जून, जुलाई आयी,
घर पर सब मिलि करैं पढ़ाई।।

रचना-
शशिबाला वर्मा (स०अ०)
क० उ०प्रा०वि० सेमरा
महमूदाबाद, सीतापुर

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-12/10/2020

700

दिन- सोमवार

शिक्षक डायरी

इस बार हमारी शिक्षक डायरी है कुछ खास,
इसमें संकलित हैं आवश्यक पृष्ठ पूरे पाँच।
पहले पन्ने मे अपना पूरा परिचय लिखना है,
छूट ना जाए कुछ इसका ध्यान रखना है।।

दूसरे-तीसरे पन्ने में बनाने हैं हमें टीचिंग प्लान,
कम शब्दों मे पूरी बात लिखने का रखें पूरा ध्यान।
चौथे पन्ने पर है हमारी साप्ताहिक डायरी,
जिसमें लिखें सप्ताह की पढ़ने-पढ़ाने की जानकारी।।

पाँचवें नम्बर पर है मेरा पन्ना,
इसमें अपने मन की बात रखना।
बच्चों ने कुछ नया सीखा-सिखाया वो लिख देना,
आपको जो अच्छा अनुभव हुआ वो सहेज रख लेना।।

इस डायरी के माध्यम से अपने भीतर के,
शिक्षक गुणों को और ज़्यादा निखारना है।
प्रेरणा लक्ष्य को हासिल कर बुनियादी,
शिक्षा के सपने को साकार बनाना है।।

रचना- रीना कुमारी (शिक्षक संकुल)
कम्पोजिट उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान, मानवता का कल्याण

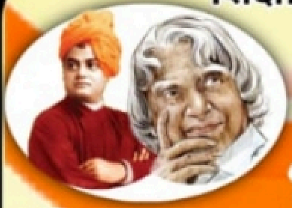

मिशन शिक्षण संवाद

काव्यांजलि दैनिक सृजन

दिनाँक-

दिन-

साभार:

राज कुमार शर्मा

नवीन पोरवाल

नैमिष शर्मा

जितेन्द्र कुमार

हेमलता गुप्ता

टीम काव्यांजलि सृजन

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान।